www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 171 || अम्बेडकरनगर
रविवार
13 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
https://epaper.tamsasanket.com
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:50
सूर्यास्तः 06:15
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 26°00

» पेज 07

विशेष समाचार फरक्का पर बिहार की... » पेज 04 | बदायूं में 20 ... » पेज 06 | आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड ने...

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स के मंच से वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार के लिए 10-पॉइंट प्रस्ताव रखने की पहल की है।
- उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को मिलकर ऐसे 10 प्रस्ताव तैयार करने चाहिए, जिन्हें अगले ब्रिक्स समिट तक 'ब्रिक्स रिफॉर्म रोडमैप' का रूप दिया जा सके।

ब्रिक्स में साझा मुद्रा पर कोई प्लान नहीं

विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि अभी BRICS देशों की अपनी कोई साझा मुद्रा शुरू करने का प्रस्ताव नहीं है।

उन्होंने कहा कि BRICS देशों के बीच एक-दूसरे की स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को लेकर पहले से बातचीत चल रही है। इसका मकसद कारोबार में लगने वाला खर्च कम करना है।

पजशकियान बोले- पश्चिम एशिया को अमेरिका की 'पुलिसिंग' की जरूरत नहीं

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने BRICS समिट से इतर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने पर बात की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। पजशकियान ने कहा कि मिडिल ईस्ट को अमेरिका की 'पुलिसिंग' की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी यहां के देशों की ही होनी चाहिए।

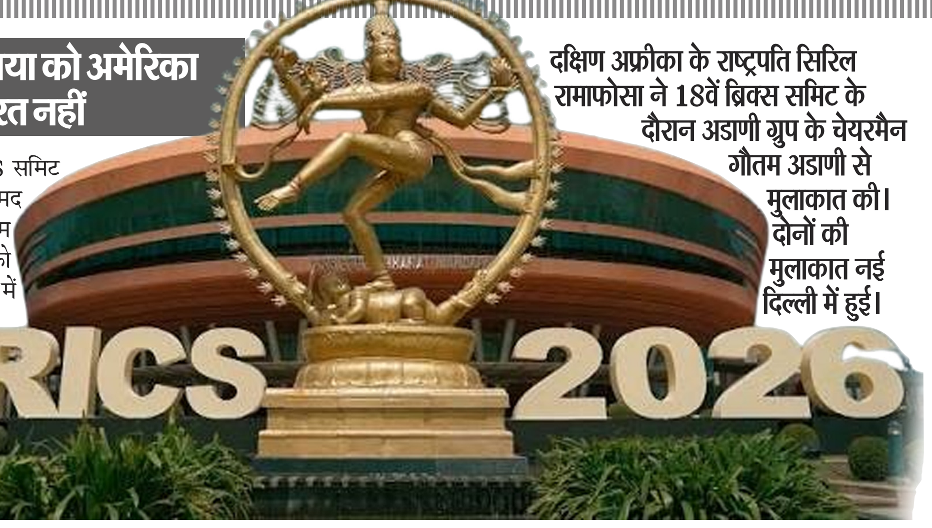

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने 18वें ब्रिक्स समिट के दौरान अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात नई दिल्ली में हुई।

बेंगलुरु पुलिस ने मजदूरी कर रहे 503 बच्चे छुड़ाए

5000 से ज्यादा जगहों पर छापा, 18 एफआईआर

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में शनिवार को बाल मजदूरी रोकने के लिए चलाए गए विशेष अभियान में 503 बच्चों को छुड़ाया गया।

शहर के 12 पुलिस डिविजन की टीमों ने 5,897 जगहों की जांच की। इस दौरान बच्चों से काम कराने वाले दुकानदारों के खिलाफ 18 मामले दर्ज किए गए।

यह अभियान शहर के पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह के निर्देश पर चलाया गया। इसका उद्देश्य बाल मजदूरी रोकना और काम कर रहे बच्चों को पहचानकर छुड़ाना था। UNICEF का दावा है

- दावा- भारत में बाल मजदूरी के 18 लाख मामले

भारत में अभी भी बाल मजदूरी के 18 लाख से ज्यादा मामले हैं।

पुलिस के अनुसार, शहर के सभी थाना क्षेत्रों में जांच के लिए टीमें बनाई गई थीं। इन टीमों में पुलिस अधिकारियों के साथ श्रम निरीक्षक भी शामिल थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

टेरर फंडिंग रोकने पर जोर, कहा- आतंकियों को पनाह देने वालों पर मिलकर एक्शन लेंगे

ब्रिक्स के साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस प्रधानमंत्री मोदी की ओर से वैश्विक नेताओं के लिए आयोजित डिनर में शामिल होने भारत मंडपम पहुंचे।

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। रूस और चीन समेत BRICS देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। देशों ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। BRICS देशों के बीच संयुक्त बयान जारी करने पर सहमति ऐसे समय में बनी है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान, सऊदी अरब और UAE के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं।भारत ने लगातार बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर करने और सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई।

>> (शेष पेज 06 पर)

- ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने ब्रिक्स समिट से इतर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की।
- दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने पर बात की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर भी जोर दिया।

जिनपिंग ब्रिक्स के लिए 7 साल बाद भारत आए

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 7 साल बाद भारत पहुंचे हैं। गलवान झड़प के बाद यह जिनपिंग का यह पहला भारत दौरा है। BRICS समिट में शामिल होने के बाद वे आज शाम प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय बैठक करेंगे। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 2026 BRICS समिट के बाद भारत से रवाना हुए।

BRICS के 20 साल पर PM मोदी ने 2 डाक टिकट जारी किए

ब्रिक्स में साझा मुद्रा पर कोई प्लान नहीं

विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि अभी BRICS देशों की अपनी कोई साझा मुद्रा शुरू करने का प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि BRICS देशों के बीच एक-दूसरे की स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को लेकर पहले से बातचीत चल रही है। इसका मकसद कारोबार में लगने वाला खर्च कम करना है। दलेला ने कहा कि स्थानीय मुद्रा में भुगतान की व्यवस्था मौजूदा वैश्विक भुगतान व्यवस्था का विकल्प नहीं, बल्कि उसे और बेहतर बनाने का एक तरीका है। इससे देशों के बीच व्यापार को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री और कई राज्यों के सीएम बस से भारत मंडपम रवाना

BRICS समिट के लिए केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, शिवराज सिंह चौहान और किरेन रिजिजू समेत कई मंत्री भारत मंडपम के लिए रवाना हुए। केंद्रीय मंत्रियों के साथ अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री भी बस से भारत मंडपम पहुंचे। यहां 18वें BRICS समिट में शामिल होने के लिए दुनिया के कई देशों के नेता जुटे हैं।

पजशकियान बोले- पश्चिम एशिया को अमेरिका की 'पुलिसिंग' की जरूरत नहीं, पजशकियान ने कहा कि मिडिल ईस्ट को अमेरिका की 'पुलिसिंग' की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी यहां के देशों की ही होनी चाहिए

उत्तराखंड में 170 फीट लंबा ब्रिज बहा

छत्तीसगढ़ में 2 कॉलेज स्टूडेंट्स नदी में लापता

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

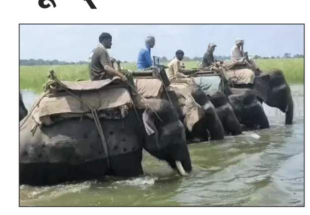

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया है। यह ब्रिज 27 अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल 18 अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में 3

- बिहार में 47 लाख लोग बाढ़ प्रभावित, एमपी-राजस्थान में बारिश

कॉलेज स्टूडेंट्स बह गए। शनिवार को एक स्टूडेंट का शव मिला। तीनों शुक्रवार को बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो मिले

बेंगलुरु। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिली हैं। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला।

विवाद सुनवाई

टीएमसी सिंबल विवाद- ईसी ने बागी गुट से और दस्तावेज मांगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में TMC के चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद जारी है। शनिवार को ऋतब्रत बनर्जी गुट ने चुनाव आयोग के सामने मौखिक दलीलें दीं और सवालों के जवाब दिए। आयोग ने गुट से दिन खत्म होने से पहले अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को कहा। चुनाव आयोग की यह सुनवाई इसलिए अहम है क्योंकि यह 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले हो रही है, और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। बागी गुट उससे पहले सिंबल पर फैसला चाहता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- गणेश उत्सव में शराब पर रोक एकतरफा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पुणे प्रशासन को गणेश उत्सव के दौरान 10 दिन तक शराब पर रोक लगाने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा जो व्यक्ति शराब का आदी है उसे 10 दिनों तक शराब पीने को नहीं मिली, तो वे अस्पतालों में भीड़ लगा देंगे।

पाकिस्तानी आतंकी का डोडा में शव बरामद

नाइट विजन क्षमता वाली एम4 राइफल भी बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी का शव सुरक्षाबलों ने शनिवार को बरामद किया। इसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली M4 राइफल भी बरामद हुई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, SOG डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स (RR) और CRPF की संयुक्त टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी।

1980 के दशक की एम 4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल

- एम 4 असॉल्ट राइफल अफगानिस्तान में अमेरिका सेना इस्तेमाल करती थी

अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेना करती थी। युद्ध और शहरी संघर्ष के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हल्की, गैस-संचालित राइफल है।

>> (शेष पेज 06 पर)

'किताबें देती हैं दुनिया समझने की ताकत'

एलयू में योगी बोले- किताबों से दूरी की धारणा गलत, युवा पढ़ना चाहता है

महोत्सव

- योगी बोले- हर ग्राम सचिवालय में बनाई गई लाइब्रेरी
- नैमिषारण्य और काशी का भी किया उल्लेख
- 'यूपी को बीमारू राज्य कहे जाने का दौर बदला'

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू हो गया है। सीएम योगी ने शनिवार को महोत्सव का उद्घाटन किया। CM योगी ने कहा कि डिजिटल दौर में युवा किताबों से दूर नहीं हुआ है। युवा आज भी पढ़ना चाहता है।

जरूरत सिर्फ किताबों को युवाओं तक पहुंचाने की है।

युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' पढ़ने की अपील की। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि किताबें बच्चों में ज्ञान, विचार, संस्कार, जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति विकसित करती हैं। उन्होंने बढ़ते स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई। कहा, स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन पुस्तकें हमें दुनिया समझने की ताकत देती हैं। सीएम योगी के कार्यक्रम को देखते हुए विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> नौ दिन चलने वाले इस महोत्सव में 121 प्रकाशक करीब 250 स्टॉल लगाए हैं। यहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों किताबें उपलब्ध हैं। महोत्सव में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है। ये कार्यक्रम आज से 20 सितंबर तक चलेगा।

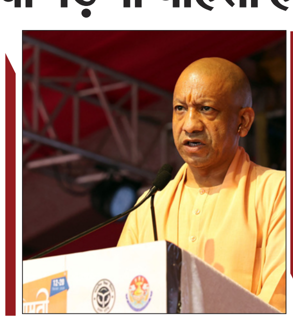

युवाओं से बोले- अपना बुक बैंक बनाइए

मुख्यमंत्री ने छात्रों और युवाओं से किताबें खरीदने की आदत विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ अच्छी साहित्यिक, रचनात्मक, धार्मिक और महापुरुषों की आत्मकथाओं जैसी किताबें भी खरीदनी चाहिए। युवाओं को अपना 'बुक बैंक' बनाने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि किताबें जीवन में नई प्रेरणा और दिशा देने का काम करती हैं।

उन्होंने कहा कि असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

घेराव : अंबेडकरनगर में बोले ओमप्रकाश राजभर-जौहर यूनिवर्सिटी के फैसलों पर उठाए सवाल

आजम खान से वक्फ तक राजभर ने अखिलेश को घेरा

दावा

- चुनाव को लेकर किया बड़ा दावा
- प्रेरणा स्थल के जलभराव पर भी साधा निशाना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर शनिवार को अंबेडकरनगर पहुंचे। यहां उन्होंने

लखनऊ के प्रेरणा स्थल में जलभराव को लेकर अखिलेश यादव के भ्रष्टाचार के आरोपों पर राजभर ने बारिश और जल निकासी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई जगह नाले पहले खुले थे, लेकिन निर्माण और अतिक्रमण के कारण इनके संकरे या बंद होने से पानी की निकासी प्रभावित होती है।

समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। आजम खान के मुकदमों, जौहर यूनिवर्सिटी, वक्फ संपत्तियों और लखनऊ के प्रेरणा स्थल में जलभराव को लेकर राजभर ने सपा पर सवाल उठाए। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने अंबेडकरनगर की चार सीटों पर सपा की हार का दावा भी किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

वक्फ संपत्तियों पर सपा-कांग्रेस को घेरा

वक्फ संपत्तियों के मुद्दे पर राजभर ने सपा और कांग्रेस की पिछली सरकारों पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड और सरकारी संपत्तियों को कम कीमत पर लीज पर दिए जाने के मामले रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संपत्तियों का व्यावसायिक इस्तेमाल किया गया। होटल, मॉल और दुकानें बनाए जाने का जिक्र करते हुए राजभर ने कहा कि इनसे किराया वसूला गया। उन्होंने सरकारी रिकॉर्ड में कम किराया दिखाए जाने का भी आरोप लगाया।

आजम खान के मुकदमों पर पूछा सवाल- सरकार में रहते क्यों नहीं हुआ फैसला?

सपा की सरकार बनने पर आजम खान के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने के बयान पर राजभर ने सवाल उठाया। उन्होंने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि इसके निर्माण के समय प्रदेश में सपा की सरकार थी।

राजभर ने सरकारी जमीन और धन के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों का हवाला देते हुए सवाल किया कि उस समय जमीन को यूनिवर्सिटी के नाम क्यों नहीं किया गया।

दिल्ली में नए वोटर आवेदन 2.56 लाख पार हुए

30 सितंबर तक दावे-आपत्तियां 4 नवंबर को अंतिम सूची

रजिस्ट्रेशन

तमसा संकेत, एजेंसी

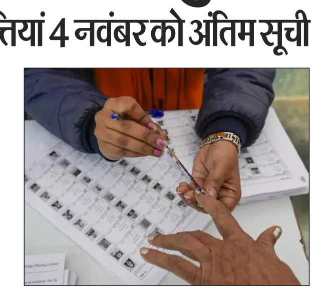

नई दिल्ली । दिल्ली में SIR प्रक्रिया के तहत नए वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए 2,56,042 आवेदन मिले हैं। यह आंकड़ा 13 जिलों का है।

इन आवेदनों में 30 अगस्त तक मिले 2,12,400 फॉर्म-6 और 31 अगस्त से 11 सितंबर के बीच मिले 43,642 आवेदन शामिल हैं।

SIR ड्राफ्ट रोल पर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर है। इनका निपटारा 31 अक्टूबर तक होगा और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी की जाएगी। चुनाव आयोग के जारी आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम

- 16 राज्यों में एसआईआर का तीसरा फेज जारी

जिले में नए वोटर रजिस्ट्रेशन के सबसे ज्यादा 34,249 आवेदन मिले। इनमें 30 अगस्त तक 28,820 और 31 अगस्त से 11 सितंबर के बीच 5,429 आवेदन आए। दक्षिण-पूर्व जिले में 29,168 और उत्तर-पूर्व जिले में 28,349 फॉर्म-6 आवेदन मिले।

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद नदी में लटकी

यूपी में नदियां उफान पर मकान-पेड़ घाघरा में समाए

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। पीलीभीत में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। तेज बहाव में किनारे पर बने मकान और विशाल पेड़ नदी में समा गए। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी में लटका हुआ है। कभी भी मस्जिद नदी में समा सकती है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के

करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। संगम के प्रमुख घाट पानी में डूबे हैं। लेटे हनुमान जी 14 दिन से जलमग्न हैं। वाराणसी में सभी घाटों के ऊपर पानी चल रहा है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर छतों पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

सोनभद्र में रिहंद बांध का जलस्तर बढ़ा

सोनभद्र के रेणुकूट-पिपरी स्थित रिहंद बांध में पानी की आवक कम होने के बावजूद जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बुधवार रात 871.1 फीट पहुंचने के बाद बांध के सभी फाटक बंद कर दिए गए थे। शनिवार सुबह जलस्तर बढ़कर 871.4 फीट दर्ज किया गया। फिलहाल पानी की निकासी सिर्फ टरबाइनों के जरिए हो रही है और सभी छह टरबाइन चालू हैं। सहायक इंजीनियर प्रसून उत्तम ने बताया कि शनिवार सुबह बांध में करीब 43 एमसीएम पानी आया और लगभग इतनी ही मात्रा टरबाइनों से बाहर निकाली जा रही है।

इधर, शनिवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत 30 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। बीच-बीच में हल्की धूप निकल रही है। मौसम विभाग (IMD) ने आज प्रदेश के 60 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले, शुक्रवार को लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद और झांसी समेत 20 शहरों में तेज बारिश हुई। खराब मौसम के चलते दिल्ली से वाराणसी जा रही इंडिगो की फ्लाइट IX-1827 को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया।

60 जिलों में बारिश का अलर्ट

बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर, सरयू भी 1.25 मीटर ऊपर

बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील के कई गांवों और शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शनिवार सुबह 8 बजे गायघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 59.16 मीटर दर्ज हुआ। यह खतरे के निशान 57.615 मीटर से 1.545 मीटर ऊपर है। वहीं, चांदपुर गेज पर सरयू का जलस्तर 59.25 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 58 मीटर से 1.25 मीटर अधिक है। हालांकि, सरयू का जलस्तर अब स्थिर हो गया है।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मानसून अब अंतिम चरण में है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अगले 24 घंटों में दक्षिण ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों की तरफ बढ़ सकता है। इस वजह से यूपी में मानसूनी गतिविधियां सुस्त पड़ जाएंगी। बारिश में भारी कमी देखने को मिलेगी। स्थानीय बादलों से कुछ इलाकों में हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

एंबुलेंस के इंतजार में बुजुर्ग ने तोड़ा दम छत से गिरा था

गोरखपुर में एक घंटे तक स्ट्रेचर पर तड़पा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में एंबुलेंस के इंतजार में एक बुजुर्ग की जान चली गई। बताया जा रहा है उरुआ बाजार के 65 वर्षीय राजकुमार गुप्ता शुक्रवार को छत से गिर गए। परिजनों ने अनान-फानन में CHC पहुंचाया, जहां से तुरंत जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। आरोप है कि 108 पर फोन करने के बाद भी 1 घंटे तक एंबुलेंस नहीं पहुंची और घायल स्ट्रेचर पर तड़पता रहा। दूसरी व्यवस्था से उन्हें हॉस्पिटल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में चीख- पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक उरुवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर के रहने वाले 65 साल के राजकुमार गुप्ता शुक्रवार दोपहर छत से गिर गए। जिसके बाद अफरा- तफरी मच गई। उनकी पत्नी विमला देवी और

परिजन उन्हें पीएचसी लेकर पहुंचे। राजकुमार की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने शुरुआती इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां ले जाने के लिए परिजन ने 108 नंबर पर एंबुलेंस के लिए फोन किया।

आरोप है कि फोन उठने के बाद उन्हें लगातार यही बताया जाता रहा कि एंबुलेंस पहुंच रही है। लेकिन करीब एक घंटे तक इंतजार करने बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। तब घर वाले घर वाले निजी वाहन की व्यवस्था में लग गए। इस दौरान राजकुमार पीएचसी परिसर में स्ट्रेचर पर तड़पते रहे।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में 2 निजी अस्पताल सील, 3 को नोटिस

बाराबंकी। बाराबंकी के सूरतगंज में स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार मिश्र और वरिष्ठ सहायक जितेंद्र कुमार शुक्ला की टीम ने क्षेत्र के निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। टीम ने परफेक्ट डायग्नोस्टिक सेंटर और श्री कृष्णा नर्सिंग होम समेत कई संस्थानों में पंजीकरण संबंधी दस्तावेजों की जांच की।

चौरीचौरा में गैस सिलेंडर से भरे ट्रक में लगी आग

चौरीचौरा । चौरी चौरा में शुक्रवार रात करीब 12 बजे 370 गैस सिलेंडर से भरे खड़े ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर सीओ चौरी चौरा, थाना प्रभारी और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग बुझने से बड़ा हादसा टल गया। चौरी चौरा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा आमकोल में शुक्रवार रात एक ट्रक में आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रक में भारत पेट्रोलियम के 370 गैस सिलेंडर लदे थे।

काशी-विद्यापीठ में जेनजी यात्रियों की पुलिस से तकरार

वाराणसी। चौरीचौरा से चलकर वाराणसी आए जेन-जी साइकिल यात्रियों का काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में छात्रों से पुलिस की तकरार हो गई। काशी विद्यापीठ के गेट पर अंदर जाने से रोकने पर यात्रियों की पुलिस से नोकझोंक भी हो गई। गेट के अंदर से छात्रों ने साइकिल यात्रियों पर पानी और स्हायी फेंकी तो युवा उग्र हो गए।

क्लीन-चिट मिलने के बाद पहली बार काशी पहुंचे चंपत राय

कहा- काशी सदैव से ज्ञान और प्रकाश देती आई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय शनिवार की शाम वाराणसी पहुंचे। चंपतराय सबसे पहले मणिकर्णिका घाट स्थित सिद्धपीठ नरसिंह मठ पहुंचे। जहां पर पूजा अर्चना की। मठ में स्थापित शिवलिंग का भव्य अभिषेक किया।

उन्होंने नरसिंह मठ में विराजमान योगीराज स्वामी नरसिंह भारती की समाधि का वैदिक मंत्रोचार के साथ दर्शन पूजन किया। तत्पश्चात नरसिंह भगवान एवं श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में पूजित भगवान राम की प्रतिमा तथा श्री त्रिकोटेश्वर महादेव, संत ज्ञानेश्वर की पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा- आध्यात्मिक नगरी काशी सदैव से ज्ञान और प्रकाश देती आई है, ऐसे पवित्र स्थान पर आना सुखद आनंद की अनुभूति कराता है। SIT की क्लीन चिट मिलने के बाद पहली

बार काशी पहुंचे चंपत राय ने कहा कि आध्यात्मिक नगरी काशी सदैव से ज्ञान और प्रकाश देती आई है, ऐसे पवित्र स्थान पर आना सुखद आनंद की अनुभूति कराता है। काशी की गलियों में घूमते हुए उन्होंने कहा कि यह परम सुख देने वाली आध्यात्मिक नगरी है यहां पर वेद मत्रों की ध्वनि तथा सिद्ध संतों का दर्शन सौभाग्य से मिलता है।

चंपत राय ने कहा कि काशी का महत्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भी अत्यधिक है।

कहा- कोडीन में धनंजय को क्यों नहीं पकड़ा, गोंडा में कारोबारी परिवार से मिलने जा रहे थे

अजय राय को पुलिस ने पकड़ा घेरकर थाने ले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा/बाराबंकी । कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड में पीड़ित परिवार से मिलने गोंडा जा रहे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने रोक लिया। शनिवार दोपहर वह 6 गाड़ियों के काफिले के साथ जा रहे थे। बाराबंकी बॉर्डर पर शहावपुर टोल प्लाजा से आगे पुलिस ने उन्हें नहीं बढ़ने दिया। इससे अजय राय भड़क गए और उनकी पुलिस से बहस हो गई।

गुस्से में उन्होंने कहा-लिखित आदेश है, तो दिखाओ। परिवार से मिलने से क्यों रोका जा रहा? मैं परिवार का दुख बांटने जा रहा हूं। कोडीन कफ सिरप मामले में बाहुबली धनंजय सिंह का तुम लोगों

ने क्या कर लिया? आज तक उन्हें पकड़ नहीं पाए। हमको रोक रहे हो। अजय राय आगे जाने पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और मसौली थाने लेकर आई। थाने पहुंचते ही वह धरने पर बैठ गए। यह पता चलते ही गोंडा और बाराबंकी के करीब 200 कांग्रेस कार्यकर्ता भी थाने पहुंच गए। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक कांग्रेसी धरने पर बैठे रहे। 3:30 बजे अजय राय पुलिस के समझाने पर धरना समाप्त कर लखनऊ लौट गए। परिवार मंत्री निषाद को बुलाने की जिद पर अड़ा था।

कांग्रेस नेता बोले- हम परिवार से जरूर मिलेंगे

अजय राय ने शुक्रवार को गोंडा जाने का ऐलान किया था। इसके बाद पुलिस सतर्क हो गई थी। शहावपुर टोल प्लाजा पर बैरिकेडिंग कर 100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। दोपहर 1:20 बजे अजय राय का काफिला पहुंचा, तो सीओ करनैलगंज नरेंद्र प्रताप राय और कोतवाल नरेंद्र प्रताप ने उसे रोक लिया।

इसके अलावा, गोंडा में कई कांग्रेसी नेताओं को उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया गया। गोंडा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने बताया- हम लोग परिवार से मुलाकात करेंगे, लेकिन उससे पहले पुलिस ने हमें परेशान करना शुरू कर दिया है। किसी भी हालत में हम पीड़ित परिवार के घर जरूर जाएंगे।

संजय निषाद के पहुंचने पर डीएम प्रियंका निरंजन ने लिखित में मांगें पूरी करने का भरोसा दिया। परिवार की मांग थी कि हत्यारों को गिरफ्तार किया जाए, जरूरत पड़े तो एनका-उंटर किया जाए, आरोपियों पर NSA लगाया जाए।

> बुधवार रात गोंडा में बर्तन कारोबारी विनोद साहनी पर 8 से 10 लोगों ने हमला किया था। वह दुकान बंद करके घर लौट रहे थे। गुरुवार को लखनऊ के KGMU में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शुक्रवार को शव गोंडा पहुंचा तो हंगामा हो गया। परिवार वाले दोपहर से शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। मौके पर 1000 से ज्यादा लोगों की भीड़ जुट गई।

मां के सामने बस ने बच्चे को रौंदा, मौत

गोरखपुर में स्कूल बस का कर रहा था इंतजार, महिला टीचर को बंधक बनाया, 3 घंटे तक हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

पिपराइच (गोरखपुर)। गोरखपुर में शनिवार सुबह स्कूल बस ने मां के सामने 5 साल के मासूम को कुचल दिया। मां अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। तभी तेज रफ्तार स्कूल बस पहुंची और बेकाबू होकर मासूम को कुचलते हुए आगे निकल गई।

परिवार के लोग बच्चे को लेकर CHC पिपराइच पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, हादसे के बाद ड्राइवर बस लेकर भागने लगा। ग्रामीणों ने पीछा किया तो करीब 200 मीटर दूर बस रोककर ड्राइवर फरार हो गया।

गुस्साए गांववालों ने बस में बैठी स्कूल की टीचर को बंधक बना लिया और बस में तोड़फोड़ कर दी। करीब 3 घंटे तक हंगामा चलता रहा। मौके पर पहुंचे अधिकारियों के

> सीओ चौरी चौरा कुंदन सिंह ने बताया-आज सुबह करीब 8:30 बजे हादसे की सूचना मिली थी। इसमें 5 साल का बच्चा हिमांशु स्कूल जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था, तभी स्कूल बस से एक्सीडेंट हो गया। हिमांशु की मां सोनी की तहरीर पर ड्राइवर मनोज, टीचर रानी मिश्रा और स्कूल प्रबंधक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए। हादसा सुबह 8 बजे जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर पिपराइच थाना क्षेत्र के नईयापार बुजुर्ग गांव में हुआ।

परिवार ने एक करोड़ और नौकरी मांगी

हादसे के बाद एसडीएम ज्ञान प्रताप सिंह, तहसीलदार डॉ. भागीरथी सिंह, नायब तहसीलदार अनु सिंह मौके पर पहुंचे। हंगामे के दौरान परिवार के लोगों ने एसडीएम को मांग पत्र सौंपा। मां सोनी ने कहा- 1 करोड़ का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। प्रबंधक सुनील चौहान ने बताया- बहुत की दुखद घटना है। स्कूल परिवार बहुत दुखी है। प्रबंधन पीड़ित परिवार के साथ है। बच्चा दौड़ के आ रहा था। जिससे ड्राइवर को दिखा नहीं और वो बस के चपेट मे आ गया।

पिपराइच के नईयापुर बुजुर्ग में सोनी अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके साथ उनके सास-ससुर भी रहते हैं। सोनी के पति मुंबई में रहकर पेंट और पालिस का काम करते हैं। मां सोनी ने बताया- मेरा 5 साल का बेटा हिमांशु एसडी पब्लिक स्कूल, चौरी में क्लास 1 में पढ़ता था। शनिवार सुबह स्कूल जाने के लिए उठा। मैंने उसके लिए लंच तैयार किया। फिर घर के बाहर स्कूल बस के आने का इंतजार करने लगी।

ग्रामीणों ने बस को घेर लिया। इस दौरान पहुंची पुलिस ने बस और उसके अंदर बंद टीचर को थाने ले गई।

आईआईटी इंजीनियर की लाश 4 दिन फ्लैट में पड़ी रही

गोरखपुर में अकेले रहते थे, छोटा भाई अमेरिका में

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 45 साल के IIT इंजीनियर का शव उनके फ्लैट में मिला है। शुक्रवार सुबह बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो इंजीनियर का शव सोफे पर पड़ा था।

पुलिस के मुताबिक, इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी का शव 3-4 दिन पुराना था। शादी नहीं की थी। वह फ्लैट में अकेले रहते थे। 4 साल पहले उनकी नौकरी छूट गई थी। अभिषेक का छोटा भाई अमेरिका में IT इंजीनियर है। पिता सभा त्रिपाठी सिंचाई विभाग में एक्सईएन पद से रिटायर्ड थे। मामला सहारा एस्टेट के मल्हार अपार्टमेंट का है। भाई की मौत की जानकारी मिलते ही छोटा भाई अंबरीष अमेरिका से गोरखपुर के लिए रवाना हो गया है। उसके आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। अभिषेक त्रिपाठी के माता-पिता की

मौत हो चुकी है। नौकरी छूटने के बाद वह मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे। अभिषेक के बड़े भाई आशुतोष बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सुरक्षा गार्ड थे। उनकी 2014 में चेन्नई में बीमारी के कारण मौत हो गई थी। बहन गुड़िया पति के साथ गोरखपुर में रहती हैं। फिलहाल, पोस्टमार्टम में भी मौत की वजह पता नहीं चली है। घटना के बाद मौके पर पहुंची गुड़िया उर्फ अर्चना ने बताया- पिता मूल रूप से कुशीनगर के महासोन गांव के रहने वाले थे, लेकिन गोरखपुर में सिंचाई विभाग में तैनात थे।

नारेबाजी : छात्रों पर फेंकी स्याही, एनएसयूआई अध्यक्ष वरुण बोले- देशभर के छात्रों से माफी मांगे पीएम

काशी-विद्यापीठ में जेनजी यात्रियों की पुलिस से तकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । चौरीचौरा से चलकर वाराणसी आए जेन-जी साइकिल यात्रियों का काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में छात्रों से पुलिस की तकरार हो गई। काशी विद्यापीठ के गेट पर अंदर जाने से रोकने पर यात्रियों की पुलिस से नोकझोंक भी हो गई। गेट के अंदर से छात्रों ने साइकिल यात्रियों पर पानी और स्हायी फेंकी तो युवा उग्र हो गए।

गेट में घुसने के लिए कांग्रेस नेताओं ने कई प्रयास किए लेकिन पुलिस के आगे एक नहीं चली। कई कांग्रेस कार्यकर्ता गेट पर बैठ गए और प्रदर्शन करने लगे। युवाओं ने पुलिस पर एबीवीपी के साथ मिलकर

वाराणसी के अंबेडकर पार्क में साइकिल यात्रियों को संबोधित करते NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी।

रोकने का आरोप लगाया। एक घंटे की रस्साकशी के बाद सभी बीएचयू की ओर रवाना हो गए। शनिवार की सुबह अंबेडकर पार्क में सरकार के खिलाफ छात्रों की लड़ाई का शंखनाद किया। कांग्रेस एनएसयू-आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में जेन-जी साइकिल यात्रियों ने मांगों की आवाज बुलंद की और सरकार को घेरा।

जेन-जी साइकिल यात्रियों का काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में प्रदर्शन।

प्रयागराज तक जाएगी यात्रा अपडेट दे रहे रिपोर्टर अमरमणि

वाराणसी में साइकिल लेकर निकले यात्रियों की टोली प्रयागराज तक जाएगी। चौरीचौरा से वाराणसी होकर निकलने वाले साइकिल यात्री ने बीएचयू और काशी विद्यापीठ समेत विभिन्न कॉलेजों के छात्रों से मिलेंगे। AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा वाराणसी पहुंची । बीएचयू में GEN Z चौपाल में हुईं शामिल। गूंजा लाल सलाम का नारा।

> कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथ मिलकर पुलिस उत्पीड़न कर रही है। हालांकि विरोध के बाद यात्री बीएचयू के लिए रवाना हो गए। जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, प्रवक्ता संजीव सिंह समेत महानगर और जिला कांग्रेस के नेता भी मौजूद रहे।

विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में बरेली कॉलेज में तीन दिवसीय कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

> कार्यक्रम में कक्षा 1 से स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थियों को उनकी आयु एवं शैक्षणिक स्तर के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता का अवसर मिलेगा।

बरेली। पर्यावरण संरक्षण और विद्यार्थियों में ओजोन परत के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा Environment, Agriculture & Education Society (EAES), Bareilly के सहयोग से विश्व ओजोन दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 14 से 16 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम "Global Action for a Cooler Planet" पर आधारित विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय एवं उप-प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को ओजोन परत के संरक्षण, वायुमंडलीय पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक एवं अभिव्यक्ति क्षमता को मंच प्रदान किया जाएगा।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन 14 सितंबर को भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। द्वितीय दिन 15 सितंबर को पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं शॉर्ट वीडियो प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वहीं 16 सितंबर को कार्यक्रम के अंतिम दिन हिंदी कवि सम्मेलन तथा स्किट/डांस जैसी सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग गतिविधियां निर्धारित की गई हैं। बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., बी.बी.ए. एवं बी.सी.ए. के विद्यार्थी स्लोगन राइटिंग, शॉर्ट वीडियो एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकेंगे। एम.एससी. एवं एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिता तथा कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थी पोस्टर मेकिंग एवं स्किट/डांस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। हिंदी कवि सम्मेलन सभी विद्यार्थियों के लिए खुला रहेगा।

प्रतियोगिताओं का आयोजन हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

2026-27 सत्र के लिए संबद्धता विस्तार स्वीकृत, एलएलबी और बीए-एलएलबी की कक्षाएं चलेंगी

राजेश पांडेय कॉलेज ऑफ लॉ में पढ़ाई का रास्ता साफ

मंजूरी

- पांच लाख की सुरक्षा राशि के बाद जारी होगा पत्र

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। राजेश पांडेय कॉलेज ऑफ लॉ, इल्तिफातगंज मार्ग में नए शैक्षणिक सत्र में विधि की पढ़ाई जारी रहेगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की विधि शिक्षा संबंधी स्थायी समिति ने कॉलेज के संबद्धता विस्तार को सशर्त मंजूरी दे दी है। 10 सितंबर को हुई समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

संबद्धता विस्तार की मंजूरी के साथ कॉलेज में तीन वर्षीय एलएलबी और पांच वर्षीय बीए-एलएलबी एकीकृत पाठ्यक्रम का संचालन जारी रहेगा। एलएलबी में 60 विद्यार्थियों की पांच कक्षाओं और बीए-एलएलबी में 60 विद्यार्थियों की दो कक्षाओं को अनुमति मिली है।

नए सत्र के लिए संबद्धता विस्तार की मंजूरी मिलने के बाद कॉलेज में एलएलबी और बीए-एलएलबी पाठ्यक्रमों का संचालन बार काउंसिल की निर्धारित शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

> बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने संबद्धता विस्तार के लिए कॉलेज को पांच लाख रुपये की वापसी योग्य सुरक्षा राशि जमा करने की शर्त रखी है। निर्धारित समय में राशि जमा होने के बाद संबद्धता की विस्तृत शर्तों के साथ पत्र जारी किया जाएगा।

2006 से विधि शिक्षा दे रहा कॉलेज

राजेश पांडेय कॉलेज ऑफ लॉ वर्ष 2006 से बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता के तहत विधि शिक्षा प्रदान कर रहा है। कॉलेज को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या और उत्तर प्रदेश शासन से भी स्थायी मान्यता प्राप्त है।

कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, यहां से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी न्यायिक सेवाओं, विधि अधिकारी और शिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

बार काउंसिल की मंजूरी प्रबंधक नलिनेश तिवारी ने दी जानकारी

मूट कोर्ट और ई-पुस्तकालय समेत कई सुविधाएं

कॉलेज में मूट कोर्ट, विधिक सहायता क्लीनिक, कंप्यूटरयुक्त ई-पुस्तकालय, सेमिनार हॉल और स्मार्ट कक्षाएं हैं। वाचनालय और खेल मैदान की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग सामान्य कक्ष बनाए गए हैं। प्रबंधक नलिनेश तिवारी ने बताया कि कॉलेज में कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। शिक्षण कार्य के लिए उच्च शैक्षणिक योग्यता और अनुभव वाले शिक्षक उपलब्ध हैं।

डेंगू को लेकर अलर्ट: अंबेडकरनगर के सभी सीएचसी में आरक्षित हुए बेड

जिले में डेंगू के 42 और मलेरिया के 14 मरीज मिले

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में तैयारियां तेज कर दी हैं। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर डेंगू मरीजों के लिए दो-दो बेड आरक्षित किए गए हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने पर उन्हें भर्ती कर तत्काल उपचार शुरू करने की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में अब तक डेंगू के 42 मरीज सामने आए हैं। मलेरिया के 14 और जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) का एक मामला भी मिला है। इन मामलों को देखते हुए सीएचसी स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है। कटेहरी, भीटी, जलालपुर, भियांव और जहांगीरगंज समेत नौ सीएचसी में एईएस और जेई मरीजों के लिए इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर (ईटीसी) संचालित हैं। इन केंद्रों पर दो-दो बेड आरक्षित किए गए हैं।मरीज के पहुंचने पर भर्ती और तत्काल उपचार की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इन केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही है।स्वास्थ्य विभाग ने सीएचसी पर डेंगू मरीजों के उपचार के लिए जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है। बुखार और संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच और उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को तैयार रखा गया है। सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार ने सभी सीएचसी अधीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने डेंगू, जेई और एईएस के मरीजों के उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को तैयार रखने और इलाज में लापरवाही नहीं बरतने को कहा है।

फास्ट न्यूज

घाघरा का जलस्तर 14 सेमी घटा, नहीं थमा कटान

बाराबंकी । बाराबंकी में घाघरा नदी का जलस्तर करीब 14 सेंटीमीटर कम हुआ है, लेकिन रामनगर तहसील के हेतमापुर गांव में कटान का खतरा कम नहीं हुआ। नदी की तेज धार लगातार आबादी की जमीन को काट रही है। देखते ही देखते घरों की नींव दरक रही है और आशियाने घाघरा में समाते जा रहे हैं। जिंदगी भर की कमाई को अपनी आंखों के सामने नदी में बहता देख ग्रामीण दुखी और बेबस हैं।

महरुआ थाने में थाना दिवस पर सुनी गईं फरियादें

अंबेडकरनगर। माह के द्वितीय शनिवार को थाना दिवस के क्रम में थाना महरुआ में जनसुनवाई हुई। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और शिकायतों की जानकारी ली। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।उन्होंने प्राप्त शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने और निस्तारण में समय का विशेष ध्यान रखने को कहा।

ओडीओपी से चमका हथकरघा

बाराबंकी। ओडीओपी योजना ने बाराबंकी के पारंपरिक हथकरघा उद्योग को नई पहचान दिलाई है। जैदपुर के बुनकर एवं उद्यमी जफर अंसारी ने योजना के तहत करीब 18 लाख रुपए का ऋण लेकर 8 पावरलूम स्थापित किए और अपने कारोबार का विस्तार किया। उनके उत्पादों को कानपुर के साथ दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुरुग्राम जैसे बड़े बाजारों से ऑर्डर मिलने लगे।

दुकान का ताला तोड़कर 50 हजार का सामान चोरी

सैदपुर भितरी में रात के अंधेरे में वारदात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर भितरी में चोरों ने एक दुकान का ताला तोड़कर करीब 50 हजार रुपये का सामान और नकदी पार कर दी। घटना रामदास मड़ैया के पास की है। शनिवार सुबह दुकान का शटर टूटा मिलने पर वारदात की जानकारी हुई।

दुकान मालिक ओमकार के मुताबिक, चोरों ने शटर का ताला तोड़ने के बाद ईंट की मदद से शटर को आधा उठाया। इसके बाद दुकान में घुसकर नकदी और सामान लेकर फरार हो गए।

ओमकार की दुकान पर डीजे और चाय का कारोबार होता है। उनके अनुसार, दुकान से करीब 18 से 20 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं। इसके अलावा डीजे का मिक्सर, माइक और मशीन समेत अन्य उपकरण भी गायब हैं।

दुकान में रखा करीब 12 हजार रुपये कीमत का गुटखा और अन्य सामान भी चोर ले गए। पीड़ित ने चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई है।

शनिवार सुबह करीब छह बजे आसपास के लोगों ने दुकान का शटर टूटा देखा। उन्होंने इसकी जानकारी दुकान मालिक को दी। इसके बाद ओमकार ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही मालीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की।

प्रभारी मंत्री के सामने ग्रामीणों ने रखीं सड़क और आवास की समस्याएं

सुलेमपुर में जन चौपाल, 700 मीटर खड़ंजा मार्ग के निर्माण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर शनिवार को सम्मनपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुलेमपुर पहुंचे। उन्होंने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, नाला, आवास और संपर्क मार्ग से जुड़ी समस्याओं को लेकर लिखित शिकायतें दीं।

ग्रामीणों ने राम पूजन राजभर के खेत से मेवालाल राजभर के खेत के आगे नाले तक करीब 700 मीटर लंबे खड़ंजा मार्ग के नए निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों के अनुसार रास्ते की हालत खराब होने से आवागमन में परेशानी होती है। सुलेमपुर में कई रास्ते कच्चे और मिट्टी के हैं। बारिश के बाद इनमें जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। ग्रामीणों ने आसमानपट्टी रोड से मुख्य मार्ग होते हुए बरियावन-किछौछा संपर्क मार्ग तक टूटे रास्ते की मरम्मत कराने की मांग भी की।

ग्रामीणों ने राजभर बस्ती में कॉलोनी के पास पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। इसके अलावा महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा स्थापित कराने और बारातघर बनवाने की मांग भी प्रभारी मंत्री के सामने रखी गई।

जन चौपाल में सुरेंद्र राजभर, चंदन राजभर, राजकुमार, धर्मेंद्र कुमार राजभर, रामदास, शिव बहादुर सिंह, रामजतन राजभर, सुनील, मेवालाल, रविंद्र, रामरूप, रामदुलार, दिनेश यादव और राम रहीम राजभर समेत अन्य ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं बताईं।

नीट में तनय ने हासिल की 5243वीं रैंक

हुआ स्वागत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी निवासी राजदेव कसौधन के पुत्र तनय कसौधन ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) में 5243वीं रैंक हासिल की है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ में उनके चयन की जानकारी मिलने के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में खुशी है। तनय ने हाईस्कूल की पढ़ाई रेडिएंट इंटर कॉलेज, जलालपुर से की। इंटरमीडिएट की शिक्षा वेस्टीज हिल्टन स्कूल, मकोइया से पूरी की। इसके बाद उन्होंने नीट की तैयारी के लिए करीब तीन वर्ष बनारस में रहकर अध्ययन किया। लगातार मेहनत और अनुशासित तैयारी के बाद उन्होंने परीक्षा में यह रैंक हासिल की। सफलता के बाद तनय के बसखारी पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। लोगों ने माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर खुशी जताई। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत करने वालों में मिट्ठू लाल, सच्चिदानंद मिश्र, राजाराम विश्वकर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, रवि सिंह, लालजी सोनकर, मंगल सोनी, ओमकार, वीरेंद्र गिरी, बजरंग जायसवाल और सुरेश सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने तनय की उपलब्धि को क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लगातार मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण से सफलता हासिल की जा सकती है।

4.93 करोड़ रुपये की लागत से गौहन्ना बाईपास के पास होगा निर्माण

शहजादपुर में बनेगा नया बिजली उपकेंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शहजादपुर कस्बे और आसपास के 10 गांवों में बिजली आपूर्ति बेहतर करने की तैयारी है। गौहन्ना बाईपास के पास 4.93 करोड़ रुपये की लागत से नया बिजली उपकेंद्र बनाया जाएगा। इसके प्रस्ताव को शासन से स्वीकृति मिल गई है। निर्माण का जिम्मा अयोध्या की वर्कशाप को सौंपा गया है। नए उपकेंद्र से शहजादपुर बाजार, कृष्णानगर, इंद्रलोक कॉलोनी, रतनपुर और भिखारीपुर समेत आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। करीब 60 हजार की आबादी को बेहतर बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। उपकेंद्र से लगभग पांच हजार उपभोक्ताओं को जोड़ा जाएगा। अयोध्या मंडल के सिविल अवर अभियंता अतुल कुमार के अनुसार उपकेंद्र के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। तहसील की ओर से भूमि सिविल विभाग को हस्तगत की जा चुकी है। बारिश रुकने के बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह से निर्माण शुरू कराने की तैयारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार शहजादपुर और आसपास के क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। मरैला विद्युत उपकेंद्र पर बढ़ते भार के कारण गर्मी के मौसम में बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या सामने आती है। नया उपकेंद्र बनने से शहजादपुर बाजार और आसपास के इलाकों में घरेलू उपभोक्ताओं के साथ दुकानों, शोरूम और औद्योगिक इकाइयों को भी आपूर्ति में सुधार मिलने की उम्मीद है।

तीन फीडर और दो बड़े ट्रांसफार्मर होंगे स्थापित

नए उपकेंद्र में तीन फीडर बनाए जाएंगे। पांच-पांच एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। संबंधित क्षेत्रों में नई बिजली लाइनें बिछाने के साथ खंभे और ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे। यहां 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के साथ 440 वोल्ट की लाइन भी बिछाई जाएगी। उपकेंद्र भवन, चहारदीवारी और आवास के निर्माण पर करीब 1.15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शेष बजट तार, खंभे और ट्रांसफार्मर समेत अन्य विद्युत कार्यों पर खर्च किया जाएगा।

> अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि 4.93 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। उपकेंद्र का निर्माण मई तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या कम होने के साथ बिजली आपूर्ति में सुधार होगा।

गांव में पहुंचा प्रशासन चौपाल में सुनी गईं ग्रामीणों की समस्याएं

कटेहरी की दरवन और बरामदपुर जरियारी समेत विभिन्न ग्राम पंचायतों में हुई ग्राम चौपाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देश पर शुक्रवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने शिकायतों का संज्ञान लेते हुए कई मामलों का मौके पर निस्तारण किया।

चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के सामने रखीं। विभागवार प्रकरणों की जानकारी लेकर अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिन मामलों का मौके पर समाधान नहीं हो सका, उनके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया गया। विकासखंड कटेहरी की ग्राम पंचायत दरवन में आयोजित चौपाल में विधान परिषद सदस्य हरिओम पाण्डेय शामिल हुए। वहीं ग्राम पंचायत बरामदपुर जरियारी में विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायतों के निस्तारण की जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी और लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता और लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में बताया। पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ लेने की बात कही गई।

अधिकारी रहे मौजूद

चौपाल में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार और खंड विकास अधिकारी कटेहरी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिले की अन्य ग्राम पंचायतों में भी निर्धारित रोस्टर के अनुसार चौपाल आयोजित की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

लंपी से बचाव को अंबेडकरनगर में टीकाकरण अभियान तेज

शनिवार को 1,750 गोवंशीय पशुओं को लगा टीका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोवंशीय पशुओं को लंपी और एफएमडी जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जिले में वृहद टीकाकरण अभियान चल रहा है। सभी विकासखंडों में पशु चिकित्सा अधिकारियों की निगरानी में पशुधन प्रसार अधिकारियों और पैरावेट की टीम पशुओं का टीकाकरण कर रही है। अभियान के तहत शनिवार को जिले में 1,750 गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया गया। अब तक कुल 7,560 पशुओं को टीका लगाया जा चुका है। जिले की सभी गोशालाओं में भी लंपी से बचाव के लिए टीकाकरण पूरा किया जा चुका है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने विकासखंड रामनगर के सहिजना और जहांगीरगंज के विश्वनाथपुर में टीकाकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अभियान की प्रगति देखी और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान पशुपालकों को लंपी रोग के लक्षण, बचाव और रोकथाम की जानकारी दी गई। पशुओं का समय से टीकाकरण कराने के लिए भी जागरूक किया गया।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के अनुसार टीकाकरण अभियान एक माह तक लगातार चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी गोवंशीय पशु को टीकाकरण से वंचित न रहने देना है। यदि किसी कारण से किसी पशुपालक के पशुओं का टीकाकरण नहीं हो पाता है तो वह नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर टीकाकरण करा सकता है।

घटना : बाइक से गिरते ही पिकअप ने कुचला, जलालपुर में सुबह 7:45 बजे हादसा

बहन को स्कूल छोड़कर लौट रहा था युवक, मौत

दुर्घटना

- अज्ञात पिकअप चालक की तलाश
- खाद की दुकान पर नौकरी करते हैं पिता

तमसा संकेत, संवाददाता

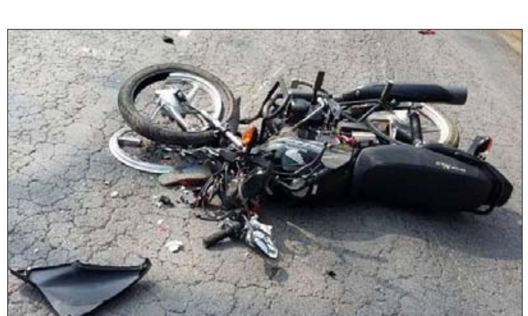

अंबेडकरनगर। जलालपुर में शनिवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अयोध्या हॉस्पिटल-जलालपुर रामगढ़ मार्ग पर अयोध्या हॉस्पिटल के सामने पहले उसकी बाइक की दूसरी बाइक से टक्कर हुई। निखिल सड़क पर गिरा ही था कि पीछे से आई पिकअप ने उसे चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान टांडा कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर साबूकपुर निवासी निखिल उर्फ हैप्पी, पुत्र प्रवीण कुमार प्रजापति के रूप में हुई है। निखिल अपनी बहन को स्कूल छोड़कर बाइक से घर लौट रहा था। हादसा सुबह करीब 7:45 बजे हुआ। सूचना पर जलालपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप सिंह यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अज्ञात पिकअप और उसके चालक की पहचान के लिए जांच कर रही है। आसपास की परिस्थितियों और हादसे के कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।

> निखिल के पिता प्रवीण कुमार प्रजापति खाद की दुकान पर नौकरी करते हैं। बेटे की मौत की सूचना के बाद परिवार में शोक छा गया।

संभलने से पहले पिकअप ने मारी टक्कर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निखिल की बाइक की दूसरी बाइक से हल्की टक्कर हुई। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर गया। इसी दौरान पीछे से आ रही अज्ञात पिकअप ने उसे टक्कर मार दी।

हादसे में निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व परिजनों को सूचना दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक निखिल की मौत हो चुकी थी।

नीलगाय से टकराई बाइक घायल युवक की तीन दिन बाद मौत

कटोखर-बसखारी मार्ग पर हुआ हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के मकोईया गांव निवासी 38 वर्षीय मनीराम की सड़क हादसे में मौत हो गई। 8 सितंबर को बाइक से सिंहपुर चौराहे की ओर जाते समय कटोखर-बसखारी मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक के सामने अचानक नीलगाय आ गई। टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद उन्हें बसखारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें सद्दरपुर रेफर कर दिया। तीन दिन तक उपचार चलने के बाद शनिवार को उनकी मौत हो गई।

मौत की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के समय मनीराम के हेलमेट नहीं पहनने की बात सामने आई है। पुलिस मामले की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

पत्नी और तीन बेटियां पीछे छूटीं

मनीराम की मौत से परिवार में मातम है। वह अपने पीछे पत्नी और तीन बेटियां छोड़ गए हैं।

सम्पादकीय

ब्रिक्स की महत्ता

BRICS INDIA 2026

ब्राजील, रूस, भारत और चीन के लिए गढ़े गए शब्द ब्रिक में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद ब्रिक्स के नाम से चर्चित इस संगठन का शिखर सम्मेलन एक ऐसे समय भारत में हो रहा है, जब ऐसे किसी समूह की आवश्यकता और बढ़ गई है। इसका एक बड़ा कारण पश्चिम और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे अमेरिका का मनमाना रवैया है। जब करीब एक दर्जन सदस्य देशों के साथ अन्य विकासशील देश इस संगठन का प्रभाव बढ़ता हुआ देख रहे हैं और उसे बढ़ाने की आवश्यकता जता रहे हैं, तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम का यह कहना राजनीतिक संकीर्णता ही है कि आखिर ब्रिक्स सम्मेलनों से भारत को क्या लाभ मिला है?

लगता है वे इसे स्मरण नहीं करना चाहते कि इस संगठन ने मनमोहन सरकार के समय आकार लिया था। मनमोहन सिंह ने इसके पहले और दूसरे सम्मेलन में भाग भी लिया था। उस समय तो चिदंबरम मनमोहन सरकार में मंत्री भी थे। आखिर उन्होंने इसके पहले यह क्यों नहीं पूछा कि इस संगठन से भारत को क्या लाभ मिल रहा है? मनमोहन सरकार में वित्त मंत्री होने के नाते तो उन्हें खास तौर पर यह प्रश्न करना चाहिए था। यह अच्छा हुआ कि उन्हें उनकी ही पार्टी के नेता शशि थरूर ने जवाब दिया। पता नहीं इससे उन्हें ब्रिक्स की महत्ता समझ आएगी या नहीं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस संगठन का और प्रभावी रूप में उभरना भारत के साथ विकासशील देशों के हित में है। यह सही है कि इस संगठन के सामने चुनौतियां भी हैं, लेकिन इसी के साथ उसके पास तमाम अवसर भी हैं।

ब्रिक्स के समक्ष अवसरों की कमी इसलिए नहीं, क्योंकि सदस्य देश दुनिया की लगभग आधी आबादी और क्रय क्षमता के हिसाब से वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मायने में ब्रिक्स समूह जी-7 से आगे है। पिछले कुछ समय में यह संगठन ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले देशों की आवाज के साथ अपने न्यू डेवलपमेंट बैंक के जरिये डालर पर निर्भरता घटाने के मंच के रूप में उभरा है।

देखना यह है कि दिल्ली में आयोजित बिक्स सम्मेलन में सदस्य और सहयोगी देश अपने मतभेदों को भुलाकर आपसी व्यापार को कितना आगे ले जाने की कोई ठोस रूपरेखा बना पाते हैं? ऐसी रूपरेखा इसलिए बननी चाहिए, क्योंकि इससे ही इस संगठन की अहमियत बढ़ेगी। आज जब अनेक देश आर्थिक, व्यापारिक और कूटनीतिक मामलों में पश्चिमी विश्व का नेतृत्व कर रहे अमेरिका की चौधराहट से परेशान हैं, तब यदि ब्रिक्स देश अपनी-अपनी मुद्राओं के जरिये आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए सहमत हो जाते हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। यह समय की मांग है कि ब्रिक्स देश आपसी सहयोग के जरिये अपनी सच्ची एकजुटता का प्रदर्शन करें।

फरक्का पर बिहार की सियासत

> केंद्र के सामने स्थिति आसान नहीं है। उसे एक ओर बिहार में अपने महत्वपूर्ण सहयोगी जदयू की मांग को नजरअंदाज नहीं करना है, दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश जल संबंधों, अंतरराष्ट्रीय संधि और पड़ोसी देश की जल-जरूरतों को भी ध्यान में रखना है।

फरक्का ने बिहार में पानी का ऐसा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया है जिसमें जदयू केंद्र को दबाव में रखकर बिहार के अधिकार की लड़ाई लड़ना चाहता है और केंद्र के सामने दुविधा है कि सहयोगी को संतुष्ट करे या भारत-बांग्लादेश संबंधों की जटिलता को साधे। गंगा का पानी अब केवल नदी, सिंचाई और खेती का विषय नहीं रह गया है। वह बिहार के अधिकार, केंद्र-राज्य संबंधों और गठबंधन राजनीति की परीक्षा भी बनता जा रहा है।

फरक्का जल संधि के नवीनीकरण की घड़ी करीब आते ही बिहार की राजनीति में गंगा का पानी सत्ता-समीकरण का नया केंद्र बन गया है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का यह कहना कि सत्ता रहे या जाए, बिहार के पानी और अधिकारों से समझौता नहीं होगा, सामान्य राजनीतिक बयान नहीं है। यह अपने ही गठबंधन की केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की भाषा है। खास बात यह है कि यह दबाव बाहर से नहीं, सत्ता के भीतर से आ रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का यह कहना कि फरक्का संधि के नवीनीकरण में बिहार के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा, इसी संतुलन की राजनीति को सामने लाता है। इसे भाजपा और जदयू के बीच खुला टकराव मानना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि गठबंधन के भीतर जदयू अपने दबाव की सीमा और प्रभाव को परख रहा है।

यही कारण है कि फरक्का का सवाल बिहार में एक नई राजनीतिक रेखा खींच रहा है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि गंगा का कितना पानी बिहार को मिलेगा। बड़ा सवाल यह है कि पानी के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया में बिहार की कितनी आवाज होगी। यदि किसी नदी का पानी राज्य की खेती, मछलीपालन, पेयजल, पर्यावरण और लाखों लोगों की आजीविका को प्रभावित करता है, तो क्या उस राज्य की भूमिका केवल प्रभावित पक्ष की होगी, या नीति-निर्माण में भी उसकी संस्थागत भागीदारी होगी?

1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर हुई संधि तीस वर्ष के लिए थी। उसका केंद्र फरक्का पर उपलब्ध जल के आधार पर मुख्यतः शुष्क मौसम में पानी के बंटवारे की व्यवस्था थी। लेकिन तीन दशक में परिस्थितियां काफी बदल चुकी हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, लंबे सूखे, अचानक अत्यधिक बारिश, भूजल का गिरता स्तर, नदी में गाद, बदलती कृषि जरूरतें और बढ़ती आबादी ने जल-संकट का स्वरूप बदल दिया है। इसलिए 2026 में केवल पुरानी संधि को नए नाम और नई तारीख के साथ दोहराना पर्याप्त नहीं होगा। बिहार के लिए यह सवाल इसलिए भी गंभीर है कि यहां बाढ़ और जल-संकट एक साथ मौजूद हैं। मानसून में पानी विनाश का कारण बन जाता है और गर्मी में वही पानी जीवन की सबसे बड़ी जरूरत बनकर सामने आता है। उत्तर बिहार की नदियां नेपाल से आती हैं। कोसी, गंडक, बागमती, कमला और महानंदा जैसी नदियों की अपनी भौगोलिक और जलवैज्ञानिक जटिलताएं हैं। दूसरी ओर गंगा के प्रवाह, फरक्का और उससे जुड़े नदी-तंत्र का प्रभाव बिहार के बड़े हिस्से पर पड़ता है। इसलिए बिहार की जल-नीति को किसी एक बांध या बैराज तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता।

यहां एक सावधानी भी जरूरी है। बिहार की हर बाढ़ के लिए फरक्का को जिम्मेदार ठहराना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा। बिहार की बाढ़ के पीछे नेपाल में भारी वर्षा, हिमालयी नदियों का तीव्र प्रवाह, गाद, तटबंध, नदी-पथ में बदलाव, स्थानीय जलनिकासी और बदलते मौसम जैसे कई कारण हैं। इसी तरह यह दावा भी सरलता होगी कि फरक्का हटते ही बिहार की सारी जल-समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। फरक्का पर बहस भावनाओं से नहीं, प्रमाण और व्यापक नदी-विज्ञान के आधार पर होनी चाहिए।

फिर भी इसका अर्थ यह नहीं कि फरक्का पर बिहार के सवाल को टाल दिया जाए। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह जैसे नेताओं की ओर से बिहार को फरक्का से जुड़े निर्णयों में औपचारिक भागीदार बनाने की मांग इस बहस को एक महत्वपूर्ण दिशा देती है। इससे मुद्दा केवल अधिक पानी मांगने से आगे बढ़कर संघीय अधिकारों का प्रश्न बन जाता है। यह राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि बिहार में अब यह प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है कि राज्य के जल-अधिकार की असली आवाज कौन है।

जदयू के लिए यह मुद्दा विशेष महत्व रखता है। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार लंबे समय से राज्य के अधिकार और विशेष जरूरतों को केंद्र के सामने रखने की राजनीति करते रहे हैं। फरक्का का सवाल उस राजनीतिक परंपरा को फिर सक्रिय करने का अवसर देता है। जदयू यदि इसे केवल चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय बिहार की दीर्घकालिक जल-नीति का प्रश्न बनाता है, तो उसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। लेकिन यदि यह केवल गठबंधन के भीतर दबाव बनाने या राजनीतिक पहचान मजबूत करने का माध्यम बनकर रह गया, तो इसकी स्थायी उपयोगिता सीमित होगी। केंद्र सरकार के लिए भी यह समय केवल आश्वासन देने का नहीं, नई जल-नीति की दिशा तय करने का है। भारत-बांग्लादेश संबंधों में गंगा जल का प्रश्न संवेदनशील है। बांग्लादेश के लिए पद्मा का पानी कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण जीवन से जुड़ा है। इसलिए भारत में फरक्का की बहस को भारत बनाम बांग्लादेश के भावनात्मक संघर्ष में बदलना दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगा। गंगा किसी राजनीतिक सीमा पर पैदा नहीं हुई। उसका जल-तंत्र सीमाओं से बड़ा है और उसके संकट का समाधान भी सीमापार समझ और वैज्ञानिक सहयोग से ही संभव है।

लेकिन पड़ोसी देश के साथ संबंधों का अर्थ यह भी नहीं कि बिहार की आवाज कमजोर कर दी जाए। यही वह बिंदु है जहां भारतीय संघवाद की असली परीक्षा होती है। विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संधियां केंद्र के अधिकार क्षेत्र में हैं, लेकिन उनके प्रभाव से राज्य बाहर नहीं हो जाते। गंगा जल का कोई भी नया ढांचा बिहार और पश्चिम बंगाल की कृषि, मत्स्य पालन, पर्यावरण और जनजीवन को प्रभावित करेगा। इसलिए संबंधित राज्यों से संस्थागत परामर्श को केवल राजनीतिक शिष्टाचार नहीं, नीति की आवश्यकता माना जाना चाहिए। फरक्का को लेकर बिहार में बैराज हटाने की मांग भी उठती रही है। इस मांग पर भी न तो आंख मूंदकर समर्थन उचित है और न बिना अध्ययन के खारिज करना। बैराज हटाने के प्रभाव का अध्ययन नदी के प्रवाह, गाद, भू-आकृति, नौवहन, मत्स्य संसाधन, डॉल्फिन और दूसरे जलीय जीवों के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के कृषि एवं सामाजिक जीवन पर होना चाहिए।

- कुमार कृष्णन

बैंक कर्मचारियों की...

सरदूल सिंह

बैंक हड़ताल का व्यापक भावार्थ

शुक्रवार को थे देश के करीब 10 लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल पर थे । इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ-साथ कुछ पुराने निजी और सहकारी बैंकों के कर्मचारी भी शामिल हैं। नए निजी बैंक, जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक आदि के कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल नहीं थे । शनिवार और उसके अगले दिन रविवार होने के कारण बैंकिंग व्यवस्था में लगातार तीन दिन कामकाज प्रभावित रहेगा।

बैंक कर्मचारियों की सबसे प्रमुख माँग पाँच दिवसीय कार्य-सप्ताह लागू करना है। इसके अलावा वेतन-भत्तों की विसंगतियों को दूर करना भी उनकी प्रमुख माँगों में शामिल है।

भारत के बैंकिंग इतिहास पर नजर डालें तो बैंक कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच पहला समझौता अक्टूबर 1966 में हुआ था। इस समझौते के तहत छह घंटे के कारोबार समय तथा सात घंटे के कार्यदिवस की माँग को स्वीकार किया गया था। बैंक कर्मचारियों के तत्कालीन समझदार और दूरदर्शी नेताओं द्वारा करवाया गया यह समझौता सैद्धांतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसके बाद हुए 12 समझौतों में वेतन-भत्तों के संशोधन, कंप्यूटरीकरण तथा कंप्यूटरीकरण के कारण काम से बाहर किए गए कर्मचारियों को समायोजित करने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। कर्मचारी और मजदूर आंदोलनों के इतिहास का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि कर्मचारियों की माँगें सामान्यतः आर्थिक मुद्दों से शुरू होती हैं लेकिन व्यापक सामाजिक संदर्भ में देखें तो इनके पीछे तकनीकी विकास और बेरोजगारी का द्वंद्व प्रमुख रूप से मौजूद रहता है। यदि इस पहलू पर ध्यान न दिया जाए और आंदोलन केवल आर्थिक माँगों तक सीमित रह जाए, तो हड़ताल जीतने के बावजूद उसे व्यापक अर्थों में पराजित माना जा सकता है।

भारत में 1984 के बाद कंप्यूटरीकरण का दौर शुरू हुआ और 1990 के बाद वैश्वीकरण, उदारीकरण तथा निजीकरण की नीतियों का प्रभाव बढ़ने लगा। इसके बाद एक ओर रोजगारविहीन विकास की चुनौती सामने आई, तो दूसरी ओर काम में लगे कर्मचारियों पर कार्यभार लगातार बढ़ता गया। कर्मचारियों को जितनी आर्थिक सुविधाएँ प्राप्त होती हैं, उससे अधिक की भरपाई कई बार छंटनी, नई भर्तियों पर रोक और कर्मचारियों की संख्या घटाकर उन्हीं से अधिक काम करवाने के माध्यम से कर ली जाती है। वर्तमान स्थिति में बैंक कर्मचारियों के कार्यदिवस पर नजर डालें तो वे प्रायः सुबह 9:30 बजे बैंक पहुँचते हैं और रात 8 से 9 बजे तक काम निपटाकर घर लौट पाते हैं। इस प्रकार उन्हें लगभग 11 घंटे काम करना पड़ता है। कंप्यूटर की तीव्र गति के साथ काम करने के दबाव के कारण कई-कई कर्मचारियों का काम एक ही कर्मचारी से करवाया जा रहा है। 1990 के बाद बैंकिंग कार्यों की प्रकृति में भी व्यापक परिवर्तन आया है। पहले बैंकों का मुख्य कार्य लोगों की बचत जमा करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें वापस करना था लेकिन वित्तीय पूँजी के विस्तार के उद्देश्य से ऋण वितरण की योजनाओं को बढ़ाया गया और बैंक कर्मचारियों को ऋण देने के लक्ष्य सौंपे जाने लगे। इसके अतिरिक्त खाते खोलने, छोटी बचत योजनाओं, बीमा और विशेष रूप से कृषि बीमा से संबंधित लक्ष्य भी कर्मचारियों को दिए जाते हैं।

बैंकिंग लेन-देन का दायरा हर वर्ष बढ़ रहा है। इसके साथ ही साइबर अपराध और बैंकिंग धोखाधड़ी की घटनाओं की जिम्मेदारी भी कई बार खाता खोलने वाले कर्मचारी पर डाल दी जाती है। ऐसी परिस्थितियों में कर्मचारियों को पुलिस मामलों और मुकदमों तक का सामना करना पड़ता है। इन्हीं परिस्थितियों के बीच पाँच दिवसीय कार्य-सप्ताह की माँग पूरे भारतीय कर्मचारी आंदोलन को दिशा देने वाली माँग बन सकती है। वेतन-भत्तों से संबंधित माँगों के अतिरिक्त यह एक सैद्धांतिक और दूरगामी महत्व वाली माँग है। पाँच दिन का सप्ताह लागू होने से बैंक कर्मचारियों को राहत मिलेगी ही, साथ-साथ नई पीढ़ी के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान 42 घंटे के कानूनी कार्य-सप्ताह के स्थान पर यदि पाँच दिन का 35 घंटे का कार्य-सप्ताह लागू किया जाता है, तो साप्ताहिक कार्यसमय में सात घंटे की कमी होगी, अर्थात कार्यसमय में लगभग 16.6 प्रतिशत की कमी आएगी। यदि कार्यसमय में 16.6 प्रतिशत की कमी होती है तो उपलब्ध काम को बाँटने पर रोजगार के अवसरों में लगभग 20 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना बनती है। यह सिद्धांत अत्यंत सरल और महत्वपूर्ण है। तकनीकी उन्नति के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कर्मचारियों को अवकाश और व्यक्तिगत जीवन के लिए समय उपलब्ध करवाने का एक प्रभावी मार्ग कार्यसमय को सीमित करना है। इसका सीधा गणित यह है कि यदि कार्यसमय में 10 प्रतिशत की कमी की जाए तो रोजगार के अवसर लगभग 11 प्रतिशत बढ़ सकते हैं।

इन योजनाओं ...

डॉ. मनोज चंद्रा

किसान्हीरा लाल यादव ने नवाचारी खेती से सरसों उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 'बीज से बाजार तक' के संकल्प के साथ किसानों की आय दोगुनी करने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है। कृषि विभाग की किसान-हितैषी नीतियों और तकनीकी हस्तांतरण ने प्रदेश के अन्नदाताओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उन्हें नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया है। जनपद भदोही के ग्राम पिपरी के प्रगतिशील किसान श्री हीरा लाल यादव की सफलता की कहानी इस संकल्प की सिद्धि का एक जीवंत उदाहरण है। सरसों का रबी फसल सीजन में तिलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश में तिलहनी फसलों का क्षेत्र विस्तार हुआ है। प्रदेश सरकार बीज वितरण से लेकर सिंचाई और बाजार तक की तिलहनी फसलों के उत्पादन हेतु सभी सुविधाये किसानों को दे रही है। आज लगातार बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण तिलहन की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क उन्नतशील बीज किसानों को दिये जा रहे है, जिनमें तोरिया, सरसों, तिल और अलसी जैसी तिलहनी फसलों के हाई क्वालिटी सर्टिफाइड बीज मुफ्त मिनी किट के रूप में बांटे गये है। प्रदेश सरकार गन्ना किसानों को गन्ने की कतारों के बीच खाली जगह में सरसों और राई जैसी तिलहनी फसले उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इससे किसानों को बिना अतिरिक्त जमीन के दो गुना मुनाफा मिल रहा है। प्रदेश के काफी संख्या में किसान नगदी फसल होने के कारण तिलहनी फसलों का उत्पादन कर लाभान्वित हो रहे है। स्नातक शिक्षित हीरा लाल यादव पारंपरिक खेती से जुड़े थे, लेकिन कृषि विभाग और क्षेत्रीय कर्मचारियों के निरंतर संपर्क में आने के बाद उनके कृषि जीवन में बड़ा बदलाव आया। उन्हें विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे ँड।म् (सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन), हरित क्रांति योजना (धान व गेहूं प्रदर्शन), च्ञटल् (परम्परागत कृषि विकास योजना) और उद्यान विभाग के माध्यम से ड्रिप इरिगेशन का लाभ प्राप्त हुआ। इन योजनाओं ने उन्हें आधुनिक संसाधनों और वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ने का कार्य किया। किसान ने नवाचारी खेती और नवीन तकनीक अपनाते हुए प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं को अपनाया, जिससे उन्हें खेती में संबल मिला। श्री हीरा लाल बताते हैं कि उन्हें कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी और कृषि विज्ञान केन्द्र, बेजवां के वैज्ञानिकों से समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। रहमान खेड़ा (लखनऊ) और जनपद के बाहर आयोजित उच्च स्तरीय प्रशिक्षणों ने उनके दृष्टिकोण को बदला। उन्होंने जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाते हुए गोबर की खाद और वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग शुरू किया तथा धान, गेहूं एवं सरसों की खेती हेतु कतारबद्ध (लाइन) बुवाई की विधि अपनाई। प्रदेश में जहाँ पहले सरसों की बुवाई वैज्ञानिक विधि से न करने के कारण प्रति हेक्टेयर मात्र 22 से 24 कुंतल प्रति हेक्टे0 उत्पादन मिल पाता था, वहीं कृषि विभाग के मार्गदर्शन में किसान श्री हीरा लाल ने वर्ष 2024-25 में सरसों की 'धाकड़' प्रजाति की समयबद्ध एवं वैज्ञानिक ढ़ग से बुवाई, सिंचाई, निकाई, गुड़ाई, उर्वरक का प्रयोग किया।

व्रत चेतना दिवस

आज युग की मांग हैं- जन- जन में अणुव्रत चेतना जागे । भगवान् महावीर ने अनंतज्ञान (केवलज्ञान) की प्राप्ति के बाद मानव मात्र के समक्ष दों धाराओं का प्रवर्तन किया । 1 अणुव्रत 2 महाव्रत । महाव्रतों को स्वीकार करना हर कोई व्यक्ति के वश की बात नहीं हैं । परन्तु अणुव्रतों को हर कोम, जाति ,लिंग, वर्ग आदि यथा शक्ति स्वीकार कर सकता हैं । आज के इस आधुनिक वैज्ञानिक एवं भौतिक युग में व्यक्ति बाहर की चकाचौंध में आकंठ डूब रहा हैं । इसलिए परिवार बिखर रहें हैं और रिश्तें टूट रहें हैं । किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा बल चरित्र बल होता हैं । राष्ट्र का चरित्र जनता पर निर्भर है । जितना चरित्र ऊंचा होता हैं उतना ही राष्ट्र उन्नत होता हैं । अणु यानि छोटे व्रत यानि संकल्प छोटे- छोटे संकल्पों से जीवन स्वर्णिम बन जाता हैं। एक छोटा सा संकल्प- मैं जीवन में अनैतिक आचरण नहीं करुंगा, यह एक ऐसा संकल्प हैं कि अहिंसा, सत्य आदि सारे नियम जीवन में उतर जाते हैं । आसक्ति संसार हैं अनासक्ति अणुव्रत हैं । अज्ञान अंधकार हैं ज्ञान अणुव्रत हैं । अविवेक संसार हैं विवेक अणुव्रत हैं । क्रोध संसार हैं समता अणुव्रत हैं। लोभ की धूप संसार हैं , अणुव्रत छतरी जीवन हैं । जिस व्यक्ति में व्रत चेतना जाग जाती हैं संसार में उससे बढ़कर कोई धनाढ्य हैं ही नहीं। संयममय नियम में जीवन की उन्नति के सोपान हैं । साधना के शिखर पर पहुंचने वाला ही दूसरों का पथ दर्शक बन सकता हैं । वर्तमान में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी हमारे पथ दर्शक प्रेरणा पाथेय हैं । हम उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकतें हैं । यथा नाम तथा गुण हैं । इसका नाम अणु शक्ति में भी सदृश्य परमाणु हैं । वह इसकी अपार ऊर्जा हैं और बेशुमार प्रभाव हैं । युग दृष्टा, युग सृष्टा गुरुदेव तुलसी का अविस्मरणीय अवदान जो सतत महान चिन्तक थे । उन्हीं के सुचिन्तन से अणुव्रत का प्रादुर्भाव हुआ, जिसका जन-जन के मानस पर हम सकारात्मक प्रभाव देख रहें हैं। छोटे-छोटे व्रतों से जीवन सुधरता हैं ।

› **प्रदीप छाजेड़**

जरा हटके

गोवंश संरक्षण की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

रायबरेली में गोवंश संरक्षण को मिल रही नई दिशा

प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद रायबरेली में निराश्रित एवं बेसहारा गोवंशों के सुनियोजित संरक्षण, संवर्धन और सुदृढ़ प्रबंधन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर एक बहुआयामी कार्ययोजना संचालित की जा रही है। कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकीय संतुलन और पशु कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गोवंश संरक्षण की व्यवस्था को सुदृढ़ एवं संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया है। बेसहारा गोवंश को मानवीय संरक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों की फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना इस समूची व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है। जनपद में वर्तमान में कुल 87 गो आश्रय स्थल पूर्ण सक्रियता और निर्धारित मानकों के साथ संचालित हैं, जहां अब तक 37,446 निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा आश्रय स्थलों में गोवंश के भरण-पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण चारा और मौसमी सुरक्षा से जुड़े प्रबंधों की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे सभी केंद्र सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

जनपद की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं के दृष्टिगत इन 87 गो आश्रय स्थलों का श्रेणीवार संचालन सुनिश्चित किया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित राहत और तात्कालिक संरक्षण के उद्देश्य से स्थापित 56 अस्थायी गो आश्रय स्थलों में वर्तमान में 21,907 गोवंशों की देखभाल की जा रही है। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे से सुसज्जित 16 स्थायी गो आश्रय स्थलों में 7,798 गोवंश सुरक्षित रूप से संरक्षित किए गए हैं।

संरक्षण व्यवस्था को वृहद स्वरूप देने के उद्देश्य से जनपद में 07 वृहद गो संरक्षण केंद्रों की स्थापना की गई है, जिनमें वर्तमान में 5,018 गोवंशों का भरण-पोषण किया जा रहा है। इन केंद्रों में आधुनिक पशु शेड, पक्की चरही और जल निकासी की समुचित व्यवस्था विकसित की गई है। वहीं दूसरी ओर, नगरीय क्षेत्रों में निराश्रित पशुओं के विचरण की समस्या के स्थायी समाधान हेतु 08 नगर पंचायतों में संचालित गो आश्रय स्थलों के माध्यम से 2,723 गोवंशों को आश्रय प्रदान कर शहरी स्वच्छता और पशु सुरक्षा का सामंजस्य स्थापित किया गया है।

गोवंश संरक्षण की इस मुहिम में आमजन की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री सहभागिता योजना' जनपद में अत्यंत प्रभावी भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन के सतत प्रयासों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अब तक 2,921 गोवंश इच्छुक किसानों, पशुपालकों और स्थानीय लाभार्थियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को निर्धारित आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गोवंशों को पारिवारिक परिवेश में व्यक्तिगत देखभाल मिल रही है और ग्रामीण स्तर पर जनसहभागिता का दायरा विस्तृत हुआ है।

आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के पोषण प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्ष भर हरे और पौष्टिक चारे की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए जनपद के 78 किसानों के साथ अनुबंध किया गया है। यह व्यवस्था एक ओर जहां स्थानीय कृषकों को सुनिश्चित बाजार और अतिरिक्त आय का साधन उपलब्ध करा रही है, वहीं दूसरी ओर गो आश्रय स्थलों को स्थानीय स्तर पर ताजा हरा चारा निरंतर प्राप्त हो रहा है। चारा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की चारा नीति के तहत गो आश्रय स्थलों से संबद्ध भूमि का उपयोग किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनपद में 56 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पौष्टिक चरी की बुवाई कराई गई है, जबकि 05 हेक्टेयर भूमि पर उच्च पोषण मूल्य और तीव्र वृद्धि वाली बहुवर्षीय नेपियर घास की खेती कराई जा रही है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित यह चारा गोवंश के बेहतर पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गोवंश के शारीरिक स्वास्थ्य और पोषण स्तर को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए गो आश्रय स्थलों में आधुनिक तकनीक से 'अजोला' उत्पादन की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ किया गया है। प्रोटीन, खनिज और विटामिनों से भरपूर अजोला को आहार में शामिल करने से गोवंश की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त सूखे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भूसा भंडारण और संतुलित पोषक तत्वों के वितरण की समुचित व्यवस्था लागू है। गो आश्रय स्थलों को केवल देखभाल केंद्र तक सीमित न रखकर उन्हें स्वावलंबी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित करने के लिए अनेक नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं। गोवंश अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण और उपयोग के उद्देश्य से आश्रय स्थलों में बायोगैस संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा की स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है।

अपशिष्ट प्रबंधन की इस श्रृंखला में वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद), बायो फर्टिलाइजर और जैविक गोबर खाद के उत्पादन को प्राथमिकता दी जा रही है। इन जैविक खादों को स्थानीय किसानों और बागवानी कार्यों के लिए उपलब्ध कराकर गो आश्रय स्थलों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत सृजित किए जा रहे हैं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जनपद में रसायनमुक्त प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से गोवंश की सुरक्षा के लिए आश्रय स्थलों में पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। ग्रीष्म ऋतु में तेज धूप और लू से बचाव के लिए शेडों में पंखे, कूलर और आधुनिक फॉगर सिस्टम लगाए गए हैं। गो आश्रय स्थलों के परिसर को पर्यावरण-अनुकूल और हरित बनाने के उद्देश्य से सघन पौधरोपण कराया गया है। रोपित पौधों की सुरक्षा के लिए मजबूत ट्रीगार्ड लगाए गए हैं। नीम, पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे छायादार और दीर्घायु वृक्षों के रोपण से आश्रय स्थलों का परिवेश स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बना हुआ है। संरक्षित गोवंशों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पशु चिकित्सा विभाग के समन्वय से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का तंत्र स्थापित किया गया है। संक्रामक रोगों से बचाव हेतु खुरपका-मुंहपका (एफएमडी), गलघोंटू (एचएस) और अन्य घातक बीमारियों के विरुद्ध शत-प्रतिशत टीकाकरण और समय-समय पर कृमिनाशक दवाओं का सेवन सुनिश्चित किया जाता है।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा वहां मेरे लिए दरवाजे बंद, पर वह आ सकते हैं, बाबा साहब का मिशन पूरा करेंगे

आकाश आनंद मेरी पार्टी में आ जाएं : चंद्रशेखर

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि आकाश आनंद मेरी पार्टी में आ जाएं। हम दोनों भाई मिलकर बाबा साहब का मिशन पूरा करेंगे। वहां (BSP) में मेरे लिए दरवाजे बंद, पर वह आ सकते हैं। चंद्रशेखर ने यह बात शनिवार को इको गार्डन में चल रहे पंचायत सहायकों के प्रदर्शन में शामिल होकर कही।

पंचायत सहायक 5 दिन से अपना मानदेय बढ़वाने के लिए लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं। तेज धूप से बचने के लिए प्रदर्शनकारी छाता लेकर

पहुंचे हैं। नगीना सांसद चंद्रशेखर जब इस धरने में पहुंचे तो उन्हें देखने के लिए समर्थक पेड़ पर चढ़ गए।

चंद्रशेखर आजाद ने सबको संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हमारे भाई किसी की मांग नहीं भरेंगे। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए पंचायत सहायक एक सप्ताह से मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। वे मानदेय बढ़ाने समेत सेवा से जुड़ी अन्य मांगें पूरी कराने की मांग कर रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मानव संवेदना सबसे ऊपर होनी चाहिए। मंत्रियों के यहां पानी पिलाने वाले को भी 20 हजार रुपए हर महीने मिलते हैं। फिर पंचायत सहायकों से 6 हजार रुपए में कैसे काम करवाया जा सकता है?

अभी 6 हजार रुपए मिलता है, 5 गुना बढ़वाना चाहते हैं

पंचायत सहायकों का कहना है कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर ऑनलाइन और प्रशासनिक काम संभालते हैं। इसके बदले उन्हें 6 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलता है। वे इसे बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि कम मानदेय के बावजूद उनसे अधिक काम लिया जा रहा है और उनका शोषण हो रहा है।

चंद्रशेखर बोले- आकाश आनंद हमारे साथ आएं, मैं उन्हें छोटा भाई मानता हूं

चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद को आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि भले ही बीएसपी में उनके लिए दरवाजे बंद हो गए हों, लेकिन आकाश आनंद के लिए आजाद समाज पार्टी के दरवाजे हमेशा खुले हैं। चंद्रशेखर ने कहा- आकाश भाई हमारे साथ आएं। हम मिलकर बाबा साहब के मिशन को पूरा करेंगे। आकाश आनंद भले ही मेरी आलोचना करते रहे हों, लेकिन मैंने हमेशा उन्हें अपना छोटा भाई माना है।

चंद्रशेखर आजाद को देखने के लिए समर्थक पेड़ पर चढ़ गए।

> चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अगर धरना देने की वजह से किसी पंचायत सहायक को नौकरी से निकाला गया, तो अगला मोर्चा इको गार्डन में नहीं, बल्कि सीएम आवास पर होगा।

एलयू में सीएम के कार्यक्रम से पहले हिरासत में छात्र

तमसा संकेत, एजेंसी

■ एनएसयूआई और सपा छात्र सभा के सदस्यों को रात ढाई बजे हॉस्टल से उठाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले समाजवादी छात्र सभा और NSUI के पदाधिकारियों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। NSUI और समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों को पुलिस देर रात हॉस्टल से हिरासत में लेकर गई। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस उन्हें रात करीब ढाई बजे हॉस्टल से ले गई।

महेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस की इस कार्रवाई से छात्रों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उनका कहना है कि देर रात सो रहे छात्रों को पुलिस हिरासत में लेना मानसिक रूप से परेशान करने वाला है।वहीं, CM योगी के पहुंचने पर छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 2 और 3 के पास प्रदर्शन किया। हाथों में पोस्टर लेकर छात्रों ने 'फीस वृद्धि वापस लो' और 'बंद हुए स्कूलों को चालू करो' के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान NSUI के अहमद रजा समेत कई छात्रों को हिरासत में लिया गया।

महेंद्र ने कहा कि हमारी मांग है कि लखनऊ विश्वविद्यालय की ग्रांट बढ़ाई जाए। अभी विश्वविद्यालय को 34 करोड़ रुपए की ग्रांट मिलती है। यह काफी कम है।

फास्ट न्यूज

सांप के डसने से 22 दिन की बच्ची की मौत

मोहनलालगंज। लखनऊ के निगोहां स्थित उदयपुर में सांप के डसने से 22 दिन की नवजात बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल था। गुरुवार रात जहरीले सांप ने उसे डस लिया। बच्ची को बचाने के लिए परिजन रातभर उसे लेकर एक के बाद एक अस्पताल जाते रहे। लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई।

लखनऊ में रिटायर्ड एआरएम से 14 लाख की साइबर ठगी

लखनऊ। लखनऊ के राजाजीपुरम निवासी परिवहन विभाग के रिटायर्ड एआरएम बैकुण्ठ नाथ मिश्रा से साइबर ठगों ने 14 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने खुद को पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताया। उन्होंने बैकुण्ठ नाथ को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। ठगों ने कहा कि उनके आधार कार्ड से मुंबई में एक सिम जारी हुआ है। इसी नंबर से बैंक खाता खोला गया और मनी लॉन्ड्रिंग की गई। इसके बाद उन्हें पुलवामा आतंकी घटना से जोड़कर जेल भेजने की धमकी दी गई।

आईटीबीपी जवान ज्ञानेंद्र कुमार सैन का निधन

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान ज्ञानेंद्र कुमार सैन का गुरुवार देर रात दिल्ली के अमृता अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी एमबीए की छात्रा बेटी पायल सैन ने पिता की जान बचाने के लिए अपना लिवर दान कर ट्रांसप्लांट कराया था, लेकिन इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका।

लखनऊ कोर्ट परिसर के आसपास फिर चलेगा बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

■ इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश- 5 हफ्ते में हटाएं सभी कब्जे रविवार को एक्शन

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर और उसके आसपास के इलाकों से सभी अवैध अतिक्रमण हटाने के कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्थानीय प्रशासन को यह कार्रवाई हर हाल में 5 सप्ताह लगभग 35 दिन के भीतर पूरी करने को कहा है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की है।

जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस राजीव भारती की बेंच ने दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट के पुराने आदेशों पर अमल करते हुए अब तक 57 नए अतिक्रमण और हटाए गए हैं। इससे पहले भी 14 अवैध ढांचे हटाए गए थे। नगर निगम जोन-1 के जोनल अधिकारी ने 8 सितंबर की अपनी रिपोर्ट में अतिक्रमण हटाने के फोटो सहित ब्योरा कोर्ट के सामने पेश किया। हालांकि, बेंच ने साफ किया कि कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है और 7 अप्रैल 2026 के आदेश के तहत बाकी बचे सभी अवैध कब्जे तुरंत हटाए जाएं।

वैधानिक सबूत न देने पर ध्वस्त करने की कार्रवाई होगी। अगर किसी को व्यक्तिगत नोटिस नहीं दिया जा पाता है, तो हिंदी और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों में इश्तिहार प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद जवाब देने के लिए 10 दिनों का समय मिलेगा।

शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रधानाचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण : केशव प्रसाद

शिक्षा के विस्तार तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेशीय सम्मेलन एवं शैक्षिक उन्नयन विचार गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने में प्रधानाचार्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य केवल विद्यालय के प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानाचार्य वर्तमान पीढ़ी को ऐसी

शिक्षा, दीक्षा और संस्कार प्रदान करते हैं, जिससे भारत और उत्तर प्रदेश भविष्य में भी हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने प्रदेशभर से आए प्रधानाचार्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि शिक्षा जगत के इन महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन और अनुभव प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में उपयोगी है। मौर्य ने कहा कि डबल इन्जन सरकार में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक सुधार और विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के विस्तार, नवाचार को प्रोत्साहन तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सामने आने वाली व्यवहारिक समस्याओं का भी सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में विधान परिषद में शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र के सदस्यों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ हुई विस्तृत बैठक में बेसिक, माध्यमिक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा

मौर्य ने कहा कि विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था से जुड़े विषय सहित परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में उल्लिखित अन्य समस्याओं पर भी संबंधित स्तर पर चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा संबंधी सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे शिक्षक वर्ग को राहत मिली है। इसी प्रकार प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से सहायता प्राप्त विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

> शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रधानाचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रधानाचार्यों के सम्मान और उनकी गरिमा से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाएगा

उप मुख्यमंत्री ने प्रधानाचार्य परिषद द्वारा रखी गई समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानाचार्यों के सम्मान और उनकी गरिमा से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक प्रधानाचार्य के पद पर कार्य करने के बाद किसी अन्य व्यक्ति के चयनित होकर आने पर पूर्व प्रधानाचार्य को उसी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य करना पड़े, तो इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचने की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय में वे शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास करेंगे और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भी इस संबंध में चर्चा की जाएगी।

पूरी पारदर्शिता व शुद्धता के साथ जारी किया गया है लेखपाल परीक्षा परिणाम : यूपीएसएसएससी

'अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं'

परिणाम

■ यूपीएसएसएससी ने 11 सितंबर को जारी किया था लेखपाल मुख्य लिखित परीक्षा का परिणाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के सचिव हरिकेश चौरसिया ने लेखपाल परीक्षा परिणाम को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि आयोग द्वारा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ रिजल्ट जारी किया गया है। परिणाम जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और आयोग लगातार निष्पक्षता के साथ परीक्षाओं का आयोजन कर रहे हैं। परीक्षाओं के परिणाम भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सही तरीके से घोषित किए जा रहे हैं। आयोग की पूरी प्रक्रिया सॉफ्टवेयर आधारित है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में रिजल्ट में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है।

सचिव ने कहा कि परीक्षा परिणामों को लेकर आरोप लगाने वालों के पास यदि कोई तथ्य हैं, तो उन्हें सामने रखना चाहिए। बिना किसी ठोस तथ्य के आरोप लगाना उचित नहीं है। कुछ लोग या तो अपने माता-पिता को गुमराह कर रहे हैं या फिर किसी बाहरी उद्देश्य से ऐसा कर रहे हैं। ऐसे आरोपों का कोई आधार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग की प्राथमिकता अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य के साथ आयोग लगातार कार्य कर रहा है और भविष्य में भी परीक्षाओं तथा परिणामों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

> डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए 28,409 अभ्यर्थी चयनित

मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट 11 सितंबर 2026 को जारी

यूपीएसएसएससी ने उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा 2025 की मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट 11 सितंबर 2026 को जारी किया है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर अपना परिणाम देख सकते हैं। इस परीक्षा के जरिए 7,994 लेखपाल पदों पर भर्ती होनी है। मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 28,409 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को अब अभिलेख परीक्षण (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) की प्रक्रिया से गुजरना होगा। आयोग ने कहा कि यह मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट है, अंतिम चयन सूची नहीं है। अंतिम चयन दस्तावेज सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी होगा।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा तराई गांवों में पहुंचा पानी

सैकड़ों बीघे धान की फसल डूबी, डीएम ने गांवों का जायजा लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से तराई इलाके के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नदी का पानी खेतों के साथ अब गांवों और घरों के आसपास तक पहुंच गया है, जिससे किसानों की सैकड़ों बीघा धान की फसल डूब गई है।

हालात का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर शनिवार को तराई क्षेत्र के गांवों में पहुंचे। उन्होंने सुल्तानपुर और लासा गांव में ग्रामीणों से बात कर पानी भरने की जानकारी ली। डीएम ने मौके पर अधिकारियों और टीमों को ग्रामीणों की मदद के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए।

डीएम विशाख जी अय्यर ने ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि प्रशासन की सभी टीमें लगातार गांवों का निरीक्षण कर रही हैं, ताकि ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। प्रशासन की तरफ से पशुपालन कैंप और स्वास्थ्य कैंप समेत अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

निर्देश : एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन के लिए विद्यालय स्तर पर खर्च होगी धनराशि

परिषदीय स्कूलों में निगरानी और चाइल्ड ट्रैकिंग को योगी सरकार ने दी रफ्तार

- 6.55 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत
- यू-डायस प्लस के आंकड़ों से बच्चों की शैक्षिक स्थिति और नामांकन की होगी बेहतर निगरानी
- हर बच्चे की विशिष्ट अपार आईडी को चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों

से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, विद्यालयी प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए एमआईएस (यू-डायस प्लस) और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के लिए 6.55 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को धनराशि के उपयोग और निगरानी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ज्ञात हो कि इस व्यवस्था के माध्यम से योगी सरकार विद्यालयी आंकड़ों को अधिक व्यवस्थित, बच्चों की शैक्षिक प्रगति की निगरानी को अधिक प्रभावी तथा स्कूल प्रबंधन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में डिजिटल प्रणालियों के उपयोग को मजबूत कर रही है। निर्देशों के अनुसार कुल 655.01 लाख रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। इसमें एमआईएस (यू-डायस प्लस) के लिए 262.00 लाख रुपये तथा चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के लिए 393.01 लाख रुपये शामिल हैं। यह धनराशि विद्यालय स्तर पर एसएमसी के माध्यम से निर्धारित गतिविधियों पर व्यय की जाएगी।

> योगी सरकार विद्यालयी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ हर बच्चे की शैक्षिक प्रगति पर प्रभावी नजर सुनिश्चित कर रही है। एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच्चों से जुड़ी जानकारी के बेहतर उपयोग को नई मजबूती मिलेगी।
>
> **संदीप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा**

हर बच्चे की जानकारी को व्यवस्थित करने पर जोर

निर्देशों में यू-डायस प्लस पर विद्यालयों एवं विद्यार्थियों से संबंधित आंकड़ों के संकलन और उनके उपयोग को महत्वपूर्ण माना गया है। साथ ही चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से बच्चों की शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पत्र में अपार आईडी और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट पहचान के साथ उसकी शैक्षिक जानकारी को व्यवस्थित रूप से ट्रैक किया जा सके।

मॉनिटरिंग को बनाया जाएगा अधिक प्रभावी

निर्देशों में जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक धनराशि के उपयोग की निगरानी के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एसएमसी स्तर पर हुए व्यय की प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

'कमीशनखोरी ने ले ली दो अधिवक्ताओं की जान'

राजघाट निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप

सपा प्रमुख ने कहा- गोरखपुर में ट्रिपल इंजन के बावजूद निर्माण कार्य बदहाल, प्रेस वार्ता पर भी उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर के राजघाट निर्माण को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजघाट के निर्माण के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये की धनराशि जारी की गई, लेकिन सिंचाई विभाग ने भाजपाइयों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि निर्माण में हुई कथित कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के कारण काम की गुणवत्ता खराब हुई, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि राजघाट निर्माण की बदहाली के पीछे कमीशनखोरी जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही के चलते दो अधिवक्ताओं की असामयिक मौत हुई। उन्होंने अधिकारियों की ओर से

दिए जा रहे बयानों को भी असंवेदनशील बताते हुए सवाल उठाया कि ऐसे बयान देने की प्रेरणा अधिकारियों को कहां से मिल रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में मृतकों के परिजनों के घाव पर लगातार नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा नेताओं के भाषण और बयान सुनने के मूड में नहीं है। अखिलेश यादव ने मांग की कि निर्माण कार्य में संलिप्त अधिकारियों और गैरजिम्मेदाराना बयान देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों का निलंबन नहीं किया गया तो यह माना जाएगा कि वे अपने राजनीतिक नेतृत्व के संरक्षण में भ्रष्ट कार्य और गैरजिम्मेदार बयानबाजी कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि लोगों को पता चल जाए कि कोई निर्माण भाजपा शासनकाल में हुआ है तो वे उसके नीचे खड़े होने तक से बचने लगेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा शासन में बनी छतरियों और द्वारों, पानी की टंकियों, दीवारों, सड़कों, हाईवे, एक्सप्रेस-वे और पुलों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मंदिरों और संसद भवन की छतों से पानी टपकने का भी उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

कोई बिना इलाज मरा, किसी का ऑपरेशन रुका, लोगों का सवाल- पैसा कब वापस मिलेगा?

बदायूं में 20 हजार परिवारों से 200 करोड़ की ठगी

जालसाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। 'मैं चाय की दुकान चलाता था। मेरा भांजा भी मदद करता था। उसके पैर में गैंगरीन था, जिसका ऑपरेशन होना था। मैंने अपने और भांजे के नाम पर दो अकाउंट अमर-ज्योति कंपनी में खुलवाए थे। कंपनी फ्रॉड करके भाग गई। भांजे का ऑपरेशन नहीं हो पाया और उसकी मौत हो गई।'

ये कहना है बदायूं के कल्याण सिंह का, जिनका पैसा चिटफंड कंपनी में डूब गया। ये कहानी सिर्फ कल्याण सिंह की नहीं, बल्कि 20 हजार से ज्यादा परिवारों की है। लोगों ने पाई-पाई जोड़कर इस उम्मीद से कंपनी में जमा किया था कि वक्त आने पर यही छोटी-छोटी बचत उनके बड़े काम आएगी।

इस मामले में 7 सितंबर को मुख्य आरोपी दो सगे भाई गिरफ्तार हुए हैं। अभी तक 25 से 30 करोड़ रुपए के घोटाले की बात सामने आ रही है, जबकि पीड़ितों और मामले से जुड़े लोगों के बीच यह रकम 200 करोड़ रुपए तक पहुंचने की चर्चा है।

अमर ज्योति कंपनी के जाल में फंसे लोगों के लिए नुकसान सिर्फ रुपए का नहीं है। किसी की बेटी की शादी अटक गई है, किसी के घर में इलाज की चिंता है तो कहीं इलाज न मिलने से जान तक चली गई है। लोगों के मन में एक ही सवाल है कि उनकी मेहनत की कमाई आखिर वापस कब मिलेगी?

STF नोएडा और बदायूं पुलिस ने मुख्य आरोपी दो सगे भाइयों शशिकांत मौर्य और सूर्यकांत को गिरफ्तार किया है।

ब्याज के साथ रुपए मिले तो भरोसा बढ़ने लगा

कंपनी में पैसा जमा करने वाले लोगों को लग रहा था कि अभी बचत कर रहे हैं, जो आगे काम आएगी। किसी पिता ने बेटी की शादी के लिए रकम जोड़ी, किसी के भाई के इलाज के लिए पैसा रखा था तो किसी ने पाई-पाई जोड़कर अपने घर का सपना देखा था। लोगों को भरोसा होने लगा था कि उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित है। कंपनी को रफ्तार उस वक्त मिली, जब लोगों को समय पर ब्याज समेत पैसा वापस मिलने लगा। भरोसा बढ़ा तो लोगों ने निवेश बढ़ा दिया। अब लोग खुद कंपनी में अपना खाता खुलवाने ऑफिस तक पहुंचने लगे। जबकि रिकवरी एजेंट दिनभर दुकानों, घरों पर जाकर लोगों से रुपये लेते और पासबुक पर एंट्री करते थे। उसी एंट्री बुक के आधार पर कंपनी की मेन पासबुक महीने के अंत में अपडेट होती थी।

छोटी बचत से बड़े सपने पूरे करने का झांसा दिया

दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों और महिलाओं को बताया गया कि 50-50 रुपए जमा करके भी बड़ी पूंजी बनाई जा सकती है। बीच में अगर जरूरत पड़ी तो इन पैसों को बिना किसी नुकसान के निकाला भी जा सकता है। साथ ही जमा की गई रकम पर बड़ा ब्याज मिलेगा। छोटी बचत से बड़े सपने पूरे होने का झांसा देकर एजेंट्स रोज लोगों से संपर्क करने लगे।

किसी ने 50 तो किसी ने 100 रुपए रोजाना की RD (आवर्ती जमा) खुलवाई। धीरे-धीरे जिले के छोटे-छोटे व्यापारी, रोजमर्रा की कमाई करने वाले मजदूर तबके के लोग, घरों में काम करके छोटी सी कमाई करने वाली महिलाओं समेत अधिवक्ता भी इनके जाल में फंसते चले गए। कंपनी 5 साल में रुपए डबल करने और एक साल में 18% ब्याज का झांसा दे रही थी।

पोखर में गिरा मासूम इकलौते बेटे की मौत पर बेसुध हुई दादी

शव को गोद में लेकर रोती रही

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा के थाना सदर क्षेत्र स्थित मधुनगर में पानी की टंकी के पास बने पोखर में गिरने से 5 वर्षीय मासूम हृदयांश की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर दादी बेटे का शव गोद में लेकर बिलखती रही।

मधुनगर के नगला अकोई में कृष्णा अपनी पत्नी मीना व 5 साल के बेटे हृदयांश के साथ रहता है। कृष्णा और मीना गुजरात में गारमेंट फैक्ट्री में काम करते है। दोनों दो दिन पहले बेटे को अपने भाई के पास छोड़कर गुजरात गए थे। बच्ची की दादी गुड्डी देवी ने बताया कि हृदयांश सुबह करीब साढे. 10 बजे खेत में शौच करने गया था। करीब एक घंटे तक जब वो वापस नहीं आया तो परिजन उसे तलाशने लगे। जब वो नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ बच्चे को तलाश किया। गांव की पोखर के पास बच्चे की चप्पल दिखाई दी। इसके बाद पोखर में बच्चे की तलाश की गई। ग्रामीणों ने बच्चे को पोखर से निकाला। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए। वहां से एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फास्ट न्यूज

गाजीपुर में छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से किया जागरुक

गाजीपुर । गाजीपुर के राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय पोषण माह के तहत गृह विज्ञान विभाग ने छात्राओं को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से संतुलित आहार, कुपोषण की रोकथाम, एनीमिया से बचाव, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

आगरा में सुबह से धूप, आज मौसम बदलने के आसार

आगरा। आगरा में शनिवार सुबह से मौसम साफ है। बादल छटे हुए हैं। धूप निकल रही है। सामान्य से अधिक हवा चल रही है। इससे लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली है। दिन में मौसम बदल सकता है। बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी हो सकती है। दरअसल, आज से 3 दिन तक बूंदाबांदी या बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं के साथ दिन में एक या दो बार बारिश हो सकती है। 15 सितंबर से बूंदाबांदी की संभावना नहीं है। बादल जरूर छाये रह सकते हैं। इस बीच अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

लोक अदालत में 11 जोड़े फिर एक हुए

गाजीपुर। गाजीपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान 11 ऐसे जोड़े फिर एक हो गए, जिनके बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि मामला कोर्ट तक पहुंच गया था। शनिवार दोपहर 2 बजे कोर्ट परिसर में पति-पत्नी ने एक-दूसरे को माला पहनाई, मिठाई खिलाई और साथ रहने का फैसला किया। प्रधान न्यायाधीश शैलोज चंद्रा की पीठ ने कुल 71 पारिवारिक झगड़े खत्म किए। इनमें 35 मामले भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) से जुड़े थे।

कानपुर में शराब के लिए युवक की पीट-पीटकर नृशंस हत्या

5 साल पहले भाई की भी ऐसे ही हत्या हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

दिनेश निषाद, मृतक

कानपुर। कानपुर में शराब के लिए 500 रुपए नहीं देने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पीटने वालों ने उसे मरणासन्न हालत में छोड़ा था। चार दिन तक उसका इलाज चला। शुक्रवार रात निजी अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। शनिवार को पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हत्यारोपियों से उसकी पुरानी रंजिश भी चल रही थी।

परिवार का आरोप है कि दिनेश को पुरानी रंजिश में निशाना बनाया गया। पांच साल पहले उसके बड़े भाई राजकुमार की भी पीट-पीटकर हत्या हुई थी। परिवार दोनों घटनाओं को जोड़कर देख रहा है। पुलिस ने परिजनों के आरोपों को जांच में शामिल किया है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के उजियारी-पुरवा में रहने वाले राजेश निषाद ने बताया कि बीते सोमवार रात करीब 10 बजे उनका छोटा भाई दिनेश निषाद (24) घर लौट रहा था। वह सूर्य बिहार स्थित केनरा बैंक के पास पहुंचा था, तभी छोटू बिहारी, छोटू पुत्र बिंदा समेत चार लोगों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि चारों ने दिनेश से शराब पीने के लिए पहले 500 रुपये मांगे। दिनेश ने रुपये देने से मना किया तो आरोपियों ने उसे घेरकर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान छोटू ने सड़क किनारे पड़ी ईंट उठाकर दिनेश के सिर और शरीर के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

छत से गिरने का वीडियो सामने आया, भाई बोला- स्कॉर्पियो नहीं देने पर पति ने धकेला

गाजियाबाद में लव-मैरिज के 6 महीने बाद महिला की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में लव मैरिज के 6 महीने बाद महिला की मौत हो गई। भाई का आरोप है कि दहेज में स्कॉर्पियो न देने पर पति ने बहन को मारा-पीटा और फिर दूसरी मंजिल से धकेल दिया। अस्पताल में 4 दिन इलाज के बाद शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत का पता चलते ही पति, सास-ससुर और दोनों ननद फरार हो गए। पुलिस ने पांचों के खिलाफ FIR दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। शनिवार दोपहर घटना का वीडियो भी सामने आया। इसमें महिला रात के वक्त अचानक छत से गिरती दिख रही है। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले जाते नजर आ रहे हैं। मामला मुराद-नगर थाना क्षेत्र का है। मृतका का नाम आकृति सिंह है। उसका पति गौरव (25) नोएडा की एक फैक्ट्री में काम करता है।

आरोपी गौरव का मुरादनगर में 3 मंजिला मकान है। वह माता-पिता और दो बहनों के साथ रहता है। भंगेल निवासी आकृति के भाई प्रभात ने बताया- 20 फरवरी को मेरी बहन की शादी गौरव से तय हुई थी। उस समय गौरव ने दहेज में 30 लाख रुपए नकद और स्कॉर्पियो की मांग की थी।

आकृति, मृतक

डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया- महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पुलिस जांच कर रही है। तहरीर के आधार पर ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पति समेत 5 के खिलाफ केस

आकृति की मौत के बाद परिवार ने मुरादनगर थाने में पति गौरव, ससुर रमेश, सास सरोज और ननद सोनी व नेहा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

6 महीने पहले आकृति ने परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ मंदिर में गौरव से शादी की थी।

भाई बोला- बहन ने परिवार के मर्जी के खिलाफ शादी की थी

भाई ने बताया- 2 महीने बाद दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ मंदिर में शादी कर ली। इसके बाद गौरव आकृति को अपने घर ले आया। शुरुआत में परिवार वाले नाराज थे, लेकिन बाद में मान गए। कुछ दिनों तक दोनों के बीच सब ठीक रहा। इसके बाद गौरव ने फिर आकृति से स्कॉर्पियो की मांग शुरू कर दी। वह उससे अपने घरवालों से स्कॉर्पियो दिलाने को कहता था। आकृति के मना करने पर उसके साथ मारपीट करता था।

लोगों ने भागकर जान बचाई, पार्किंग में खड़ी गाड़ियां जलीं, बगल की बिल्डिंग तक पहुंचीं लपटें

मेरठ के होटल में भीषण आग लगी जलकर खाक

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के परतापुर इलाके में अविका होटल में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। पार्किंग से शुरू हुई आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और होटल तक पहुंच गई। आग ने एक के बाद एक होटल के 12 कमरों को चपेट में ले लिया।

आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। लपटें बगल के इंडियन बैंक तक पहुंचने लगीं तो वहां भी अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मी ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई। आग लगने की घटना सुबह 11.30 बजे की है। उस वक्त होटल में कुछ कर्मचारी ही थे। आग के कमरों तक पहुंचने से पहले वह भागकर बाहर निकल आए।आग से होटल का लग्जरी सामान और पार्किंग में खड़ी दो कारें जल गईं।

होटल के गार्ड रतन पाल सिंह ने बताया कि पार्किंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। पहले सोफों में आग लगी और इसके बाद लपटें ऊपर तक पहुंच गईं। ऊपर लगी टिन भी आग की चपेट में आ गई, जिसके बाद पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में आग फैल गई।

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

शुरुआती जांच के आधार पर आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने आग बुझने के बाद पूरे होटल की चेकिंग की।

होटल तक पहुंची आग, इंडियन बैंक की तरफ भी बढ़ीं लपटें

परतापुर थानाक्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित अविका होटल एडवोकेट अरविंद भाटी का है। उन्होंने होटल कुमारी नंदवानी उर्फ बंटी को किराए पर दिया हुआ है। शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे होटल की पार्किंग में अचानक से आग लग गई। शुरुआत में आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों तक पहुंची। वहां खड़ी ईऑन और ब्रेजा कार आग की चपेट में आ गईं और दोनों जल गईं। इसके बाद पार्किंग में लगी आग तेजी से फैलने लगी। ग्राउंड फ्लोर पर बने पार्टी हॉल सहित आग की लपटें पहले फ्लोर तक पहुंच गईं। आग ने देखते ही देखते पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया। होटल के सभी 12 कमरे और अंदर रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटें और धुआं दूर तक दिखाई देने लगा। इससे आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान होटल से सटी इंडियन बैंक की शाखा की तरफ भी आग की लपटें बढ़ने लगीं। लपटें बैंक तक पहुंचने से वहां भी अफरा-तफरी मच गई। आग को बैंक की तरफ फैलने से रोकना दमकलकर्मियों के लिए भी चुनौती बन गया।

5600 करोड़ की साइबर ठगी गिरोह के दो मेंबर अरेस्ट

कानपुर में एनसीआरपी पोर्टल पर मिली 86 शिकायतें

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कमिश्नरेट पुलिस ने 5,600 करोड़ रुपए की साइबर ठगी से जुड़े मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों की निशानदेही पर जाजमऊ स्थित एक फार्म हाउस में छापा मारा गया। यहां से पुलिस ने 65 लाख रुपए बरामद किए। पुलिस का दावा है कि यह रकम ऑनलाइन गेमिंग और हवाला के जरिए किए गए साइबर फ्रॉड से जुटाई गई थी।

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बेकनगंज निवासी साहजेव वारिस और चमनगंज में हलीम कॉलेज के पास रहने वाले सलमान के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, वारिस के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर 22 शिकायतें दर्ज थीं। जांच के दौरान पुलिस को उसके 11 बैंक खातों की जानकारी मिली। इन खातों में करीब 170 करोड़ रुपए का लेनदेन होने की बात सामने आई है।

पुलिस अब इन खातों में हुए लेनदेन का ब्योरा खंगाल रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि रकम किन लोगों से आई और कहां-कहां भेजी गई।

दूसरे आरोपी सलमान के खिलाफ NCRP पर 32 शिकायतें दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। जांच में उसके दो बड़े बैंक खातों का पता चला। पुलिस के अनुसार, इन खातों में करीब 16 करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ है।

पृष्ठ 01 का शेष...

ब्रिक्स के साझा...

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वैश्विक नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए आयोजित डिनर में शामिल होने भारत मंडपम पहुंचे।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने 18वें BRICS समिट के दौरान अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात नई दिल्ली में हुई।

विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि भारत ने इस साल जनवरी में चौथी बार BRICS की अध्यक्षता संभाली। यह साल BRICS के लिए खास है, क्योंकि संगठन की संस्थागत साझेदारी के 20 साल पूरे हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने पिछली अध्यक्षताओं के काम को आगे बढ़ाते हुए लचीलापन, नई सोच, सहयोग और टिकाऊ विकास पर ध्यान दिया। प्रधानमंत्री मोदी के 'मानवता प्रथम' के विचार के तहत भारत ने BRICS के काम को आम लोगों की जरूरतों से जोड़ने और ज्यादा व्यावहारिक बनाने की कोशिश की।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने BRICS समिट से इतर UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की।

दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और कई क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के रुख अलग हैं।

हालांकि, ईरान और UAE पिछले कुछ सालों से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में यह मुलाकात तनाव के बीच दोनों देशों के बातचीत का रास्ता खुला रखने का संकेत है।

BRICS देशों ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। सदस्य देशों ने आतंकवाद के हर रूप की निंदा की और इसके खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने पर जोर दिया।

घोषणा में कहा गया कि आतंकवाद को किसी भी वजह से सही नहीं ठहराया जा सकता। आतंकियों की फंडिंग और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई जरूरी है।

भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर BRICS देशों ने शनिवार को नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी।

पश्चिम एशिया के संघर्ष को लेकर ईरान और UAE के बीच मतभेदों के बावजूद कई दौर की बातचीत के बाद सहमति बनी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिवसीय BRICS समिट के पहले दिन की बैठक के अंत में घोषणा को मंजूरी दिए जाने का ऐलान किया।

BRICS देशों ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है।

बेंगलुरु पुलिस ने म...

टीमों ने गोदामों, बाजारों, होटलों, लॉज, बेकरी, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन, अपार्टमेंट और निर्माण स्थलों की जांच की।

पुलिस ने बताया कि अभियान के बाद बच्चों को काम पर रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ 18 मामले दर्ज किए गए।

उत्तराखंड में 170 ...

नदी किनारे सेल्फी के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे 2 अन्य छात्र भी बह गए। बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। MP के 15 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि राजस्थान के 29 जिलों में बारिश की संभावना है। इससे पहले शुक्रवार को राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, दौसा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया था। एमपी के भोपाल में बारिश से विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई। दमोह में निचले इलाके डूब गए।

दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। सेंट्रल दिल्ली समेत कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज भी अगले कुछ घंटों में कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम के समय भी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में बारिश का दौर अगले दो दिनों तक यानी रविवार तक जारी रहने की संभावना है।

पाकिस्तानी आतंकी ...

अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों के निकलने के बाद, इन राइफलों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। बाद में यह पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों में पड़ गईं, जो कश्मीर में घुसपैठ करते समय इन्हें साथ लाते हैं।

'किताबें देती हैं ...

कार्यक्रम से पहले समाजवादी छात्र सभा और NSUI के पदाधिकारियों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। NSUI और समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों को देर रात हॉस्टल से हिरासत में लिया गया।

योगी ने ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तक और डिजिटल लाइब्रेरी की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 57,600 ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयों में लाइब्रेरी बनाई गई है। इनमें नेशनल बुक ट्रस्ट की किताबें उपलब्ध कराई गई हैं और डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा भी दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे गांव के छात्र और युवा अपने ही ग्राम सचिवालय में जाकर पढ़ाई और ज्ञान हासिल कर रहे हैं।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लखनऊ से करीब 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को आगे बढ़ाने का काम हुआ। काशी के विश्वविद्यालय, प्रयागराज का कुंभ और शुकतीर्थ भी इसी समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि करीब पांच हजार वर्ष पहले मुजफ्फरनगर के शुकतीर्थ में श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा का वाचन हुआ था।

युवाओं से बोले...

कोई व्यक्ति अचानक बड़ा नहीं बनता, बल्कि असफलताओं और संघर्षों से गुजरकर सफलता हासिल करता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि उनकी कोई भी मंजिल कठिन नहीं है। उन्हें अपनी राह खुद तैयार करनी है और पुस्तक मेले जैसे मंच इस राह को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आजम खान से वक्फ...

मंत्रियों की अधिकारियों से नाराजगी और हाल के विवादों पर राजभर ने कहा कि यदि कोई मंत्री नाराजगी जाहिर करता है तो संभव है कि किसी स्तर पर कमी रही हो। उन्होंने साफ कहा कि किसी कार्यकर्ता या पदाधिकारी की ओर से गलत काम या अपराध किया गया है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। मंत्री हो या कोई अन्य व्यक्ति, कानून सभी के लिए समान है। राजभर ने सवाल किया कि बिहार और नेपाल में आई बाढ़ के लिए भी क्या अखिलेश यादव भाजपा को जिम्मेदार ठहराएंगे।

दिल्ली में नए वोटर...

नई दिल्ली जिले में सबसे कम 3,254 आवेदन दर्ज किए गए।

आंकड़ों के अनुसार, फॉर्म-8 के सबसे ज्यादा आवेदन मिले। इसका इस्तेमाल मतदाता सूची में जानकारी सुधारने, पता बदलने और वोटर पहचान पत्र बदलने के लिए होता है।

दिल्ली में फॉर्म-8 के कुल 2,76,832 आवेदन आए। इनमें 30 अगस्त तक 2,60,768 और 31 अगस्त से 11 सितंबर के बीच 16,064 आवेदन मिले।

एशियन गेम्स से बाहर किए जाने पर भावुक हुई भारतीय खिलाड़ी, बोलीं- ये मेरा आखिरी वीडियो

'मां-पापा माफ करना मरने की बात कर रही हूं'

घोषणा

टोक्यो, एजेंसी

जापान में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियन गेम्स के लिए भारतीय वुशु टीम की घोषणा 23 जून को कर दी गई थी। हालांकि, खेल मंत्रालय ने 11 सितंबर को एक अपडेट जारी किया, जिसमें पहले से घोषित टीम की मेंबर दिव्यांशी चौधरी को बाहर कर नाओरेम रोशिबीना देवी को शामिल कर लिया गया है। इसके बाद दिव्यांशी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह रोते हुए कह रही हैं कि उन्हें गलत तरीके से टीम से बाहर कर दिया गया है। राजस्थान के कोटा की रहने वाली

एशियन गेम्स से नाम हटने के बाद दिव्यांशी चौधरी ने वीडियो शेयर किया।

दिव्यांशी ने करीब 9 मिनट के वीडियो में वुशु फेडरेशन पर कई सवाल उठाए हैं। वीडियो में दिव्यांशी रोती नजर आ रही हैं और वे कह रही हैं- मां-पापा माफ करना, सुसाइड की बात कर रही हूं। अंत में उन्होंने घर की छत की ओर कैमरा किया और कहा कि यह उनका आखिरी वीडियो है। दिव्यांशी ने कहा कि उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय जर्सी भी दे दी गई थी।

नाओरेम रोशिबीना देवी ने एशियन गेम्स 2022 में सिल्वर मेडल जीता था। दिव्यांशी ने वूशु ट्रायल में उन्हीं को हराने की बात कही है।

> जितेंद्र सिंह का कहना है दिव्यांशी जिस रिपोर्ट के आधार पर खुद को फिट बता रही हैं वह निजी डॉक्टर की है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की अलग मेडिकल रिपोर्ट है। इसके मुताबिक दिव्यांशी पूरी तरह फिट नहीं है। एशियन गेम्स में मेडल जीतना हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है, इसलिए अनफिट खिलाड़ी को नहीं भेजा सकता था।

लेकिन, आखिरी वक्त में उनका नाम काट दिया गया।

दिव्यांशी का दावा है कि जून में हुए एशियन गेम्स के फाइनल सिलेक्शन ट्रायल में उन्होंने 60 किग्रा वर्ग में दो बार की एशियन गेम्स मेडलिस्ट रोशीबीना देवी को हराया था।

फेडरेशन कह रहा चोटिल, दिव्यांशी ने खुद को फिट बताया

वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने इस बारे में पूछे जाने पर बताया कि दिव्यांशी चोटिल हैं। उन्हें एशियन गेम्स में नहीं भेजा जा रहा है।

दिव्यांशी का कहना है कि एशियन गेम्स की तैयारी के लिए श्रीनगर में 10 दिन का कैंप हुआ था। इसी दौरान रोशीबीना के साथ मुकाबले में उनके कंधे में चोट लगी थी। चोट के कारण उन्होंने 4-5 दिन अभ्यास नहीं किया, लेकिन बाद में रिकवर होकर दोबारा खेला। इसके बाद वह इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भी गईं। दिव्यांशी ने बताया कि उन्होंने डॉक्टर को चोट दिखाई थी। डॉक्टर ने उन्हें टेपिंग के साथ खेलने की सलाह दी थी। वह यह भी कहती हैं कि उनकी MRI रिपोर्ट कोच और फेडरेशन के पास थी और डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन में उन्हें खेलने के लिए सक्षम बताया गया था।

श्रीलंका लगातार दूसरी बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में

रविवार को भारत से होगा खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका ने लगातार दूसरी बार महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को दुबई में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में टीम ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। दुबई में पाकिस्तान के 130/5 के जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 6 विकेट पर 134 रन बनाकर जीत दर्ज की। अब रविवार को फाइनल में उसका सामना भारतीय महिला टीम से होगा। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 36 गेंदों पर 47 रन बनाए और गेंदबाजी में 38 रन देकर 4 विकेट लिए। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं। हालांकि, उनका यह प्रदर्शन पाकिस्तान को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। हार के बाद फातिमा मैदान पर ही भावुक होकर रो पड़ीं।

131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। फातिमा सना ने अपने पहले ही स्पेल में कप्तान चमारी अथापत्तू (1) और विशमी गुणरत्ने (0) को आउट कर दिया।

10वें ओवर तक श्रीलंका ने 33 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान की गेंदबाजी के सामने रन बनाना मुश्किल हो रहा था और श्रीलंका पर दबाव बढ़ता जा रहा था। ऐसे समय में हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पांचवें विकेट के लिए 59 गेंदों पर 67 रन जोड़कर पारी संभाली।

ज्वेरेव और शेल्टन यूएस ओपन फाइनल में भिड़ेंगे

शेल्टन 23 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाले अमेरिकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

US ओपन के मेंस सिंगल्स फाइनल में जर्मनी के वर्ल्ड नंबर-1 एलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में ज्वेरेव ने रूस के करेन खाचानोव को 6-3, 7-6, 7-6 से हराया, जबकि शेल्टन ने हमवतन फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबला रविवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा।

ज्वेरेव ने इस साल फ्रेंच ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था और इसके बाद विंबलडन के फाइनल में पहुंचे, जहां उन्हें जैनिक सिनर से हार मिली। अब उनके पास इस साल दूसरी मेजर

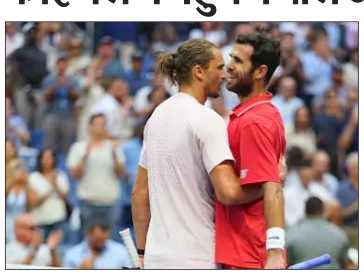

ट्रॉफी जीतने का मौका है। यह उनके करियर का छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा।

खाचानोव ने दूसरे सेट में 0-2 से पिछड़ने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की। इसके बाद सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा। यहां खाचानोव ने ज्वेरेव के दो सेट पॉइंट बचाए, लेकिन ज्वेरेव ने दबाव बनाए रखा और सेट 7-6 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में भी खाचानोव ने टाईब्रेकर में 3-0 और फिर 5-2 की बढ़त बनाई। एक समय लगा कि मुकाबला चौथे सेट में जा सकता है, लेकिन ज्वेरेव ने लगातार पॉइंट्स जीतकर स्कोर बराबर किया और 7-6 से सेट जीत लिया।

खाचानोव खराब फॉर्म के बावजूद US ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरी बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे।

मौजूदा 50वीं रैंकिंग वाले खाचानोव ने दूसरे और तीसरे सेट में ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अहम मौकों पर गलतियां कीं। वहीं, ज्वेरेव ने गेम पर पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ इस सीजन ग्रैंड स्लैम मैचों में ज्वेरेव का रिकॉर्ड 24-2 हो गया है।

कोहली के 2027 वर्ल्डकप पर कोच बोले- चर्चा ही क्यों

नई दिल्ली। विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का मानना है कि वर्ल्ड कप में विराट की जगह पर चर्चा करना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कोहली मैदान पर अपने प्रदर्शन और फिटनेस से खुद जवाब दे रहे हैं।

वहीं, रोहित शर्मा को लेकर राजकुमार ने कहा कि वह अब भी शानदार खिलाड़ी और मैच विनर हैं। दूसरी ओर, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने भी साफ किया है कि कोहली जब भी फ्री होंगे, दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट जरूर खेलेंगे।

रोहित और कोहली 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेलते दिखेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगा।

राजकुमार शर्मा ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि कोहली ने हाल के मैचों में जिस तरह प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए 2027 वर्ल्ड कप में उनकी जगह को लेकर बहस नहीं होनी चाहिए।

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया।

सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी।

दो मैचों की सीरीज में सिराज ने

44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं।

BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में

हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं।

सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

मनोरंजन

आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड ने फैन को किया साइड

सेल्फी लेने करीब पहुंच गया था शख्स, एक्ट्रेस दूसरे फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवा रही थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

आलिया भट्ट शुक्रवार को मुंबई में अपनी अपकमिंग फिल्म डोंट बी शाय के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं। इवेंट के बाद बाहर निकलते समय भीड़ के बीच एक फैन उनकी तरफ सेल्फी लेने के लिए बढ़ने लगा और एक्ट्रेस के करीब आने की कोशिश की।

इसके बाद उनके बॉडीगार्ड ने फैन को तेजी से साइड कर दिया।

हालांकि इस दौरान आलिया का ध्यान फैन की साइड नहीं था और वो दूसरे फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवा रही थीं। डोंट बी शाय आलिया भट्ट के प्रोडक्शन की फिल्म है। फिल्म में प्यार और जिंदगी के फैसलों के बीच की कहानी दिखाई गई है। जो 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। डोंट बी शाय के ट्रेलर लॉन्च पर आलिया ने बहन शाहीन का बचपन का किस्सा सुनाया।

कार्यक्रम के होस्ट ने आलिया, शाहीन और डायरेक्टर सृति मुखर्जी से 'ऑरा फार्मिंग',

'ब्रेडक्रम्बिंग', 'साइड क्वेस्ट', 'ब्रेनरॉट' और 'रेजबेट' जैसे जेन जी टर्म्स के मतलब पूछे। आलिया ने 'रेजबेट' का मतलब बताते हुए कहा, "जब मैं बच्ची थी, तब शाहीन मेरे साथ यही करती थीं। वह मुझसे कहती थीं कि मैं पार्ले-जी के साथ फ्री आई हूं।" उन्होंने कहा, "वह कहती थीं कि मैं असल में अपनी मां और पापा की बच्ची नहीं हूं। मैं चार साल की थी, जब शाहीन मुझे रेजबेट करती थीं।" फिल्म डोंट बी शाय में चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में आलिया ने कहा, "14 साल पहले मैंने एक एक्टर के तौर पर डेब्यू किया था। आज 14 साल बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को पेश कर रही हूं।"

आलिया भट्ट ने बॉडीगार्ड को फैन से बदसलूकी करने से रोका था

2024 में आलिया भट्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में एक फैन एयरपोर्ट पर आलिया के साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता नजर आया। इसी दौरान उनके बॉडीगार्ड ने फैन की शर्ट पकड़कर उसे पीछे खींच दिया।

प्रभास की 'स्पिरिट' के रिव्यू को लेकर क्रिटिक्स को चुनौती

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई बोले- फिल्म आएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा के भाई और निर्माता प्रणय रेड्डी वांगा ने उनकी फिल्म 'रोमांचकम' की समीक्षा करने वाले समीक्षकों को चुनौती दी।

उन्होंने कहा कि समीक्षक फिल्म 'स्पिरिट' को भी उसी नजरिए से परखें। 'स्पिरिट' में प्रभास और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं, फिल्म का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा और प्रभाकर रेड्डी वांगा फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

प्रणय ने यह बात यूट्यूब चैनल टैग तेलुगु से बातचीत में कही। 'रोमांचकम' 3 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे मिली-जुली से औसत

प्रतिक्रियाएं मिली थीं।

प्रणय ने कहा कि फिल्मों की समीक्षा करना आसान काम लग सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली कई फिल्में सफल नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि फिल्म बनाने की मुश्किलें तभी समझ आती हैं, जब कोई खुद प्रोडक्शन प्रक्रिया का हिस्सा बनता है। "अगर आप प्रोडक्शन में आते हैं, तो समझते हैं कि लिखी गई चीज को पर्दे पर उतारने के लिए निर्देशक कितनी मेहनत करता है।

बॉडी शेमिंग को लेकर नीना गुप्ता ने दिया जवाब

67 साल की एक्ट्रेस बोलीं- 'कोई पूछे तो कह देना मैं प्रेग्नेंट हूं'

नई दिल्ली। नीना गुप्ता ने हाल ही में बॉडी शेमिंग और शादी को लेकर किए जाने वाले सवालों पर मजेदार अंदाज में जवाब दिया।

CNN-न्यूज18 को दिए इंटरव्यू में पूछा गया कि जब लोग पूछते थे कि उनकी शादी क्यों नहीं हुई, तो वह इस पर क्या जवाब देती थीं। इस पर नीना ने कहा, "मैं तुम्हारे बाप का तो नहीं खा रही ना, अपने बाप का खा रही हूं। तुम्हें क्या प्रॉब्लम है, शादी करी कि नहीं?" एक अन्य सवाल में जब पूछा गया कि कोई यह कहे कि आप पिछली बार से ज्यादा मोटी हो गई हैं, तो वह क्या जवाब देंगी। इस पर नीना ने कहा, "प्रेग्नेंट हूं।" नीना ने बताया कि वह वजन को लेकर होने वाली टिप्पणियों से काफी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने थोड़ी मोटी साड़ी पहनी थी। साड़ी की वजह से शरीर के एक हिस्से पर थोड़ा बल्क नजर आ गया। इसके बाद लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि नीना गुप्ता 60 की उम्र में प्रेग्नेंट हैं। नीना ने

बताया कि मैंने कहा, अब कोई पूछे तो कह देना, "मैं प्रेग्नेंट हूं।" जब उन्हें बताया गया कि हाल ही में 74 साल की एक महिला के जुड़वां बच्चे हुए हैं, जिस पर नीना ने हंसते हुए कहा, "मेरा चांस है अभी।" नीना गुप्ता को पिछले साल एयरपोर्ट पर शॉर्ट्स पहनने और अपना वीडियो शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसका उन्होंने बेहद करारा जवाब दिया था।

फिल्म 'हीरो' की 11वीं सालगिरह की पोस्ट में गाने को लेकर क्रेडिट नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

सलमान खान फिल्म्स पर भड़के अमाल मलिक

नई दिल्ली, एजेंसी

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फिल्म 'हीरो' की 11वीं सालगिरह पर सलमान खान फिल्म्स की सोशल मीडिया पोस्ट पर नाराजगी जताई। उन्होंने पोस्ट में संगीतकार और गीतकार को क्रेडिट नहीं देने पर प्रोडक्शन हाउस को घेरा।

दरअसल, सलमान खान फिल्म्स ने 2015 में रिलीज हुई 'हीरो' की सालगिरह मनाई थी। इस फिल्म से सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था।

अमाल ने सलमान खान फिल्म्स के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट @skfilmsofficial के कमेंट सेक्शन में लिखा, "जिसने भी यह पेज या सोशल मीडिया संभाला है, मुझे उस ऑडेसिटी से प्यार है, जो आपने गाने के संगीतकार और गीतकार को छोड़कर दिखाई है।"

उन्होंने आगे लिखा, "यह अच्छी बात नहीं लगती कि किसी संगीतकार और उसके गीतकार की मेहनत, खून, पसीने और आंसुओं से बने गाने का जश्न मनाया जाए, लेकिन उसके रचनाकारों का सम्मान या जिक्र तक न हो।"

अमाल ने टीम को बुनियादी बातें सीखने की सलाह दी। उन्होंने लिखा, "बेसिक चीजें करना सीखिए, वरना यह पेज डिलीट कर दीजिए।"

अमाल ने टीम से उनका कमेंट नहीं हटाने की अपील भी की। उन्होंने लिखा, "मेरा कमेंट डिलीट मत करना। सलमान सर को भी इसे देखने दो, ताकि उन्हें पता चले कि आप लोगों ने गलती की है।"

फिल्म 'हीरो' के साउंडट्रैक को अमाल मलिक, मीट ब्रदर्स अंजन, सचिन-जिगर और जस्सी कट्याल ने कंपोज किया था।

हालांकि, अमाल मलिक के कमेट के बाद सलमान खान फिल्म्स की टीम ने अपनी गलती सुधारी।

सलमान ने अमाल मलिक को ब्रेक दिया था

अमाल मलिक के करियर में सलमान खान का योगदान रहा है। सलमान ने साल 2014 में अपनी फिल्म 'जय हो' से अमाल को बॉलीवुड में बतौर म्यूजिक कंपोजर ब्रेक दिया था। इसके बाद साल 2015 में सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'हीरो' के लिए अमाल मलिक ने ही संगीत तैयार किया था। इस फिल्म का गाना ₹मैं हूं हीरो तेरा₹ ब्लॉकबस्टर रहा, जिसे ओरिजिनली अमाल के भाई अरमान मलिक ने गाया था और बाद में खुद सलमान खान ने भी अपनी आवाज में इसका एक स्पेशल वर्जन रिकॉर्ड किया था।

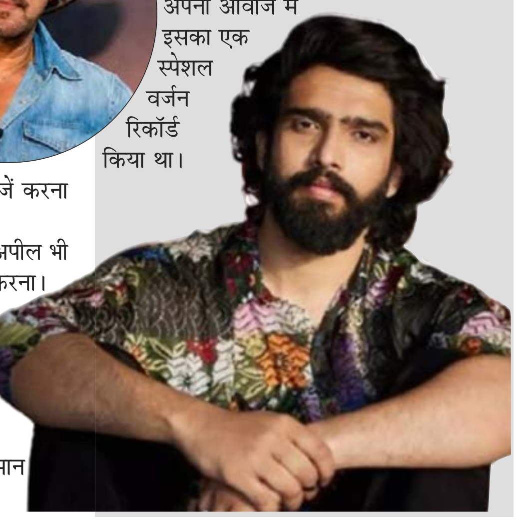

इजराइली पीएम के मेकअप पर 4 करोड़ खर्च

तीन प्रधानमंत्रियों में नेतन्याहू के मेकअप का बिल सबसे ज्यादा, हेयर स्टाइलिस्ट के नाम छिपाए

रिकॉर्ड

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री के बालों की स्टाइलिंग और मेकअप पर 2019 से अगस्त 2026 तक करीब 4.7 लाख डॉलर यानी लगभग 4 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसका खुलासा सूचना के अधिकार के तहत मिले सरकारी रिकॉर्ड से हुआ है।

दिसंबर 2025 में वकील यारा शलित ने PM ऑफिस से इस खर्च की जानकारी मांगी थी। इसके बाद अलग-अलग साल और महीनों में हुए खर्च का ब्योरा जारी किया गया। इस दौरान पिछले 7 साल में तीन प्रधानमंत्री रहे- बेंजामिन नेतन्याहू, नफ्ताली बेनेट और याइर लैपिड।

रिकॉर्ड के मुताबिक, बाल और मेकअप पर हुए कुल खर्च का करीब 90% हिस्सा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा पर हुआ। हालांकि, कई दस्तावेजों में

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अपने बालों का रंग बदलते रहते हैं।

उनके हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट के नाम छिपा दिए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसके लिए राज्य की सुरक्षा का हवाला दिया।

सितंबर से नवंबर 2023 के बीच प्रधानमंत्री के बालों की स्टाइलिंग पर करीब 2,600 डॉलर यानी 22 लाख रुपए और मेकअप पर करीब 1,580 डॉलर यानी 13 लाख रुपए खर्च हुए। अक्टूबर 2023 में अकेले हेयर स्टाइलिंग पर करीब 810 डॉलर यानी 68 हजार रुपए खर्च किए गए।

2025 में सबसे ज्यादा खर्च विदेश यात्राओं में भी बिल बढ़ा

2025 में प्रधानमंत्री के बालों और मेकअप पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च हुआ। पूरे साल यह रकम करीब 93 लाख रुपए रही।

विदेश यात्राओं में भी इस पर लाखों रुपए खर्च हुए। फरवरी 2025 में हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट की सेवाओं पर करीब 11 लाख रुपए खर्च किए गए। यह विदेश यात्रा के दौरान इस मद में सबसे बड़ा खर्च था।

यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात के लिए हुई थी। उस समय नेतन्याहू, ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस पहुंचने वाले पहले विदेशी नेता थे।

जुलाई 2024 में भी नेतन्याहू की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान बालों और मेकअप पर करीब 9.6 लाख रुपए खर्च हुए थे।

पूरे 2023 में हेयर स्टाइलिंग और मेकअप पर करीब 1.03 लाख डॉलर यानी 86 लाख रुपए खर्च हुए।

इसके मुकाबले 2022 में नफ्ताली बेनेट और याइर लैपिड के कार्यकाल के दौरान यह खर्च करीब 27,600 डॉलर यानी 23 लाख रुपए था। नेतन्याहू फरवरी 2025 में 4 दिन की वॉशिंगटन यात्रा पर गए थे। नेतन्याहू फरवरी 2025 में 4 दिन की वॉशिंगटन यात्रा पर गए थे।

नवंबर 2020 में कोरोना के दौरान नेतन्याहू खुद बाल कटवाने गए थे।

मेहमानों और कपड़ों पर भी नेतन्याहू का खर्च ज्यादा

बाल और मेकअप के अलावा प्रधानमंत्री के कपड़ों और मेहमानों की मेजबानी पर भी सरकारी पैसा खर्च होता है।

इस मद में नेतन्याहू से जुड़े खर्च करीब 1.12 करोड़ रुपए रहे। इसके मुकाबले नफ्ताली बेनेट के लिए करीब 16 लाख रुपए और याइर लैपिड के लिए करीब 2.2 लाख रुपए खर्च हुए।

ग्वांगझू-दिल्ली के बीच शुरू होगी डायरेक्ट फ्लाइट

चिनफिंग के भारत आने से पहले बड़ा फैसला

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिक्स समिट के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे से पहले चाइना सदर्न एयरलाइंस ने छह साल बाद ग्वांगझू-नई दिल्ली के बीच उड़ानें फिर से शुरू करने का एलान किया है। 21 सितंबर से ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट पर रेगुलर पैसेंजर सर्विस फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा कि इस बहाली के बाद दक्षिण एशिया में आठ राउंड-ट्रिप मार्गों पर इसका कुल संचालन प्रति सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों तक पहुंच जाएगा। गौरतलब है कि गुआंगजौ-नई दिल्ली हवाई सेवा पिछले छह वर्षों से निलंबित थी। हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में धीरे-धीरे सुधार देखा गया है। अप्रैल में एयर चाइना ने अपनी बीजिंग-दिल्ली सेवा फिर से शुरू की थी, जबकि चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने 18 अप्रैल को कुनमिंग

और कोलकाता के बीच सीधी उड़ानें दोबारा शुरू कीं। भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने भी 30 मार्च को कोलकाता और शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप सेवा की शुरुआत की थी। इंडिगो ने इससे पहले कोलकाता से गुआंगज़ौ के लिए उड़ानें बहाल की थीं और बाद में दिल्ली से भी इस चीनी शहर के लिए संचालन शुरू किया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शी चिनफिंग शनिवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए।

फास्ट न्यूज

रूस में भीषण सड़क हादसा

मॉस्को। शुक्रवार को रूस के उत्तरी आर्कान्गेल्स्क क्षेत्र में एक मिनीबस, कार और लकड़ी ले जा रहे ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय अधिकारियों के हवाले से दी गई जानकारी के अनुसार मिनीबस किसी अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी, तभी उसकी ट्रक से टक्कर हो गई। राज्य समाचार एजेंसी आरआईए ने आंतरिक मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है।

रिपब्लिकन सम्मेलन में छाए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

डलास। अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। ऐसे में डलास में आयोजित रिपब्लिकन पार्टी के एक बड़े सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। वेंस ने खुले तौर पर दावा किया है कि वे ही राष्ट्रपति ट्रंप के असली उत्तराधिकारी हैं। सम्मेलन के दौरान वेंस के भाषण पर पूरा हॉल तालियों और 'जेडी-जेडी' के नारों से गूंज उठा। अपने आक्रामक भाषण में वेंस ने विपक्षी डेमोक्रेट्स पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'सिरफिरा' करार दिया।

'यूक्रेन युद्ध में अब तक 5 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे गए'

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी भीषण संघर्ष आज भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में इस पूरे संघर्ष को लेकर अब ब्रिटेन के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। ब्रिटेन के डिफेंस स्टाफ के प्रमुख एयर चीफ मार्शल सर रिचर्ड नाइटटन ने शुक्रवार को दावा किया कि फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण की शुरुआत से लेकर अब तक 5 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं।

यह देश की जीडीपी का 11%, बाढ़ से 16 लाख लोग प्रभावित, 1377 की मौत

नेपाल में बाढ़ से तबाही 45 हजार करोड़ लगेंगे

अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 545 लापता लोगों की तलाश के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्ते उतारे गए हैं। टीमें सुरंगों, हेडवर्क्स और मलबे में तलाश कर रही हैं।

काठमाण्डू, एजेंसी

नेपाल में 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ से बड़े पैमाने पर तबाही हुई। टूटे घर, सड़कें, पुल और दूसरी सुविधाएं दोबारा बनाने के लिए 7,233 करोड़ नेपाली रुपए यानी करीब 45 हजार करोड़ की जरूरत का अनुमान है। यह नेपाल की GDP का करीब 11% है।

बाढ़ और भूस्खलन से 16 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 1,377 लोगों की मौत और करीब 5,130 लोगों के लापता होने की खबर है। करीब 65% रिकवरी खर्च यानी 29 हजार करोड़ सड़क, पुल, बिजली और दूसरी जरूरी सुविधाओं पर खर्च होंगे। बाढ़ में 7,570 घर, 48 सरकारी इमारतें, 18 स्कूल और 7 स्वास्थ्य केंद्र भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

भारत ने भेजी 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री

नेपाल के राहत और बचाव अभियान में भारत लगातार मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 26 अगस्त से अब तक आठ विशेष उड़ानों के जरिए नेपाल को 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेजी गई है। भारत ने 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें सुरंग और मलबे में फंसे लोगों को निकालने वाली टीमें, मेडिकल विशेषज्ञ और फोरेंसिक कर्मी शामिल हैं।

बाढ़ के समय प्रोजेक्ट में 1,433 लोग काम कर रहे थे। इनमें 878 बचा लिए गए, जबकि 545 लापता हैं। इनमें 9 दक्षिण कोरियाई, 34 चीनी और 50 भारतीय शामिल हैं।

पाकिस्तान में दो नाबालिग हिंदू बहनों का पहले किया जबरन धर्मांतरण फिर पढ़वा दिया निकाह

'हमें घर भेज दो'

आरोप

- सिंध में दो नाबालिग हिंदू बहनों का जबरन धर्मांतरण कराया गया।
- अदालत ने बहनों को माता-पिता के बजाय आश्रय गृह भेजा।
- परिवार ने लड़कियों की सुरक्षा और इच्छाओं को प्राथमिकता देने की मांग की।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 2 हिंदू बहनों का पहले जबरन धर्मांतरण कराया और फिर उनकी शादी करा दी। ये दो बहनें अदालत के बाहर

रोते हुए बोलीं, 'हमें घर भेज दो।'

परिवार का आरोप है कि उनका अपहरण कर जबरन इस्लाम कबूल कराया गया और मुस्लिम पुरुषों से शादी करा दी गई। परिजनों के अनुसार अमजद सोलंगी व मंसूर सोलंगी से उनकी शादी कराई गई है। दोनों बहनें नाबालिग हैं और 13 व 14 साल की हैं।

'वॉइस ऑफ पाक माइनॉरिटी' के मुताबिक, पाक में 2021-2025 में अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण के 515 मामले दर्ज हुए। जबरन शादी की शिकायतें भी सामने आईं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 में जबरन शादी के जरिए धर्मांतरण की पीड़ितों में 75% हिंदू और 25% ईसाई थीं। वहीं, बीते साल 12 चर्चों और सात मंदिरों को भी नुकसान पहुंचा है।

अदालत ने क्या आदेश दिया?

सिंध प्रांत के तंदो अल्लाहयार जिले की अदालत ने दोनों को माता-पिता के साथ भेजने के बजाय आश्रय गृह भेजने का आदेश दिया। सिंधी अधिकार संगठन 'सिंध रेनेसां' के अनुसार, उन्हें वहां 2 दिन रखने को कहा गया है। पीड़िता के परिवार ने कानूनी मदद की मांग की है। मांग है कि लड़कियों की इच्छाओं व सुरक्षा को फैसले में प्राथमिकता दी जाए।

होर्मुज बंद होने के बाद इसी से रोजाना 50 लाख बैरल तेल भेज रहा था

ड्रोन हमले के बाद सऊदी ने तेल पाइपलाइन बंद की

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने ड्रोन हमले के बाद अपनी ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन बंद कर दी है। गुरुवार को हुए ड्रोन हमले में पाइपलाइन से जुड़े पंपिंग स्टेशनों में आग लग गई और कुछ लोग घायल हुए।

ईरान जंग के चलते होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी इसी पाइपलाइन से रोजाना करीब 50 लाख बैरल तेल भेज रहा था।

सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाइपलाइन पर गुरुवार को कई हमले हुए थे। मंत्रालय की टीमें पाइपलाइन को सुरक्षित करने और नुकसान का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ये हमले किसने किए। अब तक किसी भी देश या संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

सऊदी अरब का ज्यादातर तेल देश के पूर्वी हिस्से में निकलता है। इसे दूसरे देशों तक पहुंचाने के लिए आमतौर पर जहाजों का इस्तेमाल होता है, जिन्हें फारस की खाड़ी से बाहर निकलने के लिए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरना पड़ता है।

ईरान युद्ध के बाद होर्मुज का रास्ता बंद हुआ तो सऊदी ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का सहारा लिया। यह पाइपलाइन तेल को देश के पूर्वी हिस्से से सीधे पश्चिमी तट के यानबू बंदरगाह तक पहुंचाती है। यानी तेल को होर्मुज से होकर नहीं जाना पड़ता। होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी इस पाइपलाइन से रोजाना करीब 50 लाख बैरल तेल यानबू भेज रहा था। वहां से तेल जहाजों के जरिए दूसरे देशों तक पहुंचाया जा सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा पंपिंग स्टेशनों को हुआ नुकसान

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में पाइपलाइन के पास बने पंपिंग स्टेशनों को निशाना बनाया गया। पंपिंग स्टेशन पाइपलाइन में तेल को आगे भेजने में मदद करते हैं।

शुक्रवार को ली गई सैटेलाइट तस्वीर में एक पंपिंग स्टेशन पर आग से काफी नुकसान दिखाई दिया। एक दूसरी तस्वीर में स्टेशन से काला धुआं निकलता दिखा।

अभी यह साफ नहीं है कि पाइपलाइन को सीधे कितना नुकसान हुआ है। यह भी पता नहीं है कि पाइपलाइन फिर से कब शुरू होगी।

सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रियाद और मदीना इलाकों में पाइपलाइन पर कई ड्रोन से हमला किया गया। सऊदी के मुताबिक, ये ड्रोन इराक से आए थे।

सऊदी ने कहा कि इराक के प्रधानमंत्री के कहने पर उसने अभी जवाबी हमला नहीं करने का फैसला किया है। सऊदी चाहता है कि इराक पहले अपनी जमीन से होने वाले ऐसे हमलों को रोकने के लिए कार्रवाई करे।

इराक ने भी हमले की निंदा की है। इराकी सरकार ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी और अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरे देशों पर हमला करने के लिए नहीं होने देगी।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

कैश ऑन डिलीवरी पर 5 से 20 रुपए तक ज्यादा देने होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। अब आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते समय 'कैश ऑन डिलीवरी' यानी डिलीवरी के वक्त नकद भुगतान का ऑप्शन चुनते हैं, तो आपको 5 रुपए ज्यादा देने होंगे।

यह नया शुल्क एप के बिल समरी में 'पे ऑन डिलीवरी फीस' के नाम से अलग से जुड़ेगा। कुछ यूजर्स के एप बिल में यह फीस 7 रुपए से लेकर 20 रुपए तक अलग-अलग भी दिखाई दे रही है।

हालांकि, जो यूजर UPI, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन भुगतान करेंगे, उन पर यह एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा।

जोमैटो की ओर से लगाया गया यह नया 'पे ऑन डिलीवरी फीस'

कंपनी के प्लेटफॉर्म फीस, रेस्टोरेंट पैकेजिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज और GST से अलग है।

यानी अब आपको खाने के साथ-साथ पैकेजिंग, डिलीवरी, प्लेटफॉर्म और कैश में भुगतान करने तक के अलग से पैसे देने होंगे। हालांकि, स्विगी ने फिलहाल ऐसा कोई चार्ज लागू नहीं किया है।

जोमैटो पर हर दिन करीब 23 से 25 लाख ऑर्डर किए जाते हैं। अगर सिर्फ 5 रुपए का छोटा सा एक्स्ट्रा चार्ज भी लगाया जाए, तो कंपनी को हर दिन 1.25 करोड़ रुपए तक की ज्यादा कमाई हो सकती है।

नाकेबंदी : अल मंदेब पर हूती विद्रोहियों का कब्जा कहा- सऊदी अरब के अलावा किसी का जहाज नहीं रोकेंगे

होर्मुज के बाद अब दूसरे तेल रूट पर संकट

सना, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट के बाद अब एक और समुद्री ऑयल रूट बाब अल-मंदेब स्ट्रेट संकट में है। यमन के हूती विद्रोहियों ने यहां कब्जे का एलान किया है। बाब-अल-मंदेब एशिया और यूरोप के बीच जहाजों की आवाजाही के लिए अहम रास्ता है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि सऊदी समर्थित सेनाओं ने बाब अल-मंदेब के बीच स्थित पेरिम द्वीप पर से कंट्रोल खो दिया है। अब उनका 5,400 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा हो गया है।

हूती प्रवक्ता ने कहा कि इस स्ट्रेट से सऊदी अरब को छोड़, बाकी सभी देशों के जहाजों के गुजरने की इजाजत है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि सऊदी अरब ने उनकी आर्थिक नाकेबंदी कर रखी है।

एक्सिऑन की रिपोर्ट के मुताबिक हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब को अमेरिकी मदद की उम्मीद थी। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से सीधे अमेरिकी हवाई हमले करने की अपील की थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने इनकार कर दिया।

हालांकि अमेरिका क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। CNN के मुताबिक, 100 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सलाहकार सऊदी अरब में मौजूद हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने इनकी संख्या करीब 200 बताई है। ये अमेरिकी सैन्यकर्मी सऊदी सेना को हूतियों से जुड़ी खुफिया जानकारी पता लगाने मदद कर रहे हैं। इस तरह अमेरिका सीधे सैन्य कार्रवाई से बच रहा है। धार्मिक फर्क ने तनाव बढ़ाया: हूती यमन के जायदी शिया समुदाय से आते हैं, जबकि सऊदी अरब सुन्नी बहुल देश है। दोनों की धार्मिक मान्यताओं में फर्क है। हालांकि, हूती-सऊदी संघर्ष को सिर्फ शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई समझना सही नहीं होगा। विवाद की जड़ 1990 के दशक में पड़ीः यमन के उत्तरी हिस्से में जायदी समुदाय को लगने लगा था कि सरकार उनके राजनीतिक और धार्मिक हितों की अनदेखी कर रही है।

ईरान ने हूतियों की मदद की

रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान ने हूतियों को सैन्य सलाह और मदद दी थी। एक राजनयिक के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कई वरिष्ठ कमांडर यमन में मौजूद हैं। अभियान शुरू होने से पहले ईरान और हूतियों के बीच कई बैठकें भी हुई थीं। हालांकि, मोखा पर हमला करने का फैसला हूतियों ने खुद लिया था।

यमन के पांच सैन्य अधिकारियों ने भी कहा कि लाल सागर में हूतियों के नए अभियान में ईरान ने मदद की थी। यमनी सूत्रों का दावा है कि कुद्स फोर्स के कमांडर अब्दोलरेजा शहलाई हूतियों के अभियान को दिशा दे रहे थे। ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

हूती लड़ाके बाब अल-मंदेब के ठीक सामने धुबाब शहर में भी दाखिल हो गए हैं।

पाकिस्तान में अफगान मेडिकल छात्रों को बड़ी राहत

लाहौर हाईकोर्ट ने निष्कासन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे विवाद का असर बीते कुछ दिनों से वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों के भविष्य पर दिखने लगा था। हालांकि अब अदालत के एक कड़े फैसले ने फिलहाल इन छात्रों को बड़ी राहत दी है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में देश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों को यह आदेश दिया था कि वे वहां पढ़ रहे सभी अफगान छात्रों को तुरंत कॉलेज से बाहर निकालें और उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजें। सरकार ने इसके पीछे दोनों देशों के बीच बिगड़े हुए रिश्तों का हवाला दिया था। इस फैसले के बाद छात्रों को उनके हॉस्टल से भी बाहर निकाला जाने लगा था। बता दें कि इस अचानक और कठोर फैसले के खिलाफ 13 अफगान मेडिकल छात्रों ने लाहौर हाईकोर्ट (LHC) में

याचिका दायर की। इन छात्रों में कई ऐसी लड़कियां भी शामिल हैं जो अपनी पढ़ाई के आखिरी वर्ष में थीं और कुछ ही महीनों में डॉक्टर बनने वाली थीं। एक छात्रा ने अदालत को बताया कि वह पहले ही तालिबान के प्रतिबंधों की वजह से अफगानिस्तान में अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी थी और पाकिस्तान में बहुत उम्मीद के साथ अपनी डिग्री पूरी कर रही थी। मामले की सुनवाई करते हुए लाहौर हाईकोर्ट के जस्टिस खालिद इशाक ने पाकिस्तान मेडिकल एंड डेंटल काउंसिल के उस आदेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जिसमें अफगान छात्रों को निकालने को कहा गया था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96